रोहतक, मंगलवार 5 मई 2026 ■ ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष-चतुर्थी ■ वर्ष : 30, अंक : 90 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 3.00 मौसम अधि.35.2 न्यून. 17.2 haribhoomi.com

बंगाल में लहराया भगवा

गंगोत्री से गंगा सागर तक हर जगह खिला कमल

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

पश्चिम बंगाल
कुल सीट : 293 बहुमत : 147

भाजपा	टीएमसी+	कांग्रेस	अन्य
206	81	02	04

असम
कुल सीट : 126 बहुमत : 64

भाजपा+	कांग्रेस	एआईयूडीएफ	अन्य
102	21	02	01

तमिलनाडु
कुल सीट : 234 बहुमत : 118

टीवीके	द्रमुक+	अन्नाद्रमुक+	अन्य
107	65	51	11

केरलम
कुल सीट : 140 बहुमत : 71

यूडीएफ	एलडीएफ	भाजपा+	अन्य
102	35	03	00

पुडुचेरी
कुल सीट : 30 बहुमत : 16

भाजपा+	कांग्रेस+	टीवीके+	अन्य
18	06	03	03

बंगाल में खेला तमिलनाडु में विजय

ममता के 15 साल के शासन का अंत, भाजपा को 206 सीटें, टीएमसी केवल 81 पर सिमटी | विजय बने जननायक, टीवीके ने तोड़ा 60 साल का वंशवादी राज, 107 सीटें जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे सोमवार को घोषित हुए। भाजपा का भगवा एक बार फिर लहराया। पश्चिम बंगाल में 15 साल से चली आ रही ममता बनर्जी की सरकार ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भाजपा ने 206 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, टीएमसी केवल 81 सीटों पर सिमट कर रह गई। सबसे बड़ा उलटफेर तमिलनाडु में हुआ है, जहां 2 साल पहले बनी विजय की पार्टी नंबर वन हो गई है। टीवीके ने 107 सीटों पर जीत दर्ज की। तमिलनाडु के मौजूदा मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कोलाथुर सीट हार गए हैं। उन्हें टीवीके के बीएस बाबू ने 8000 से ज्यादा वोटों से हराया। बाबू पहले डीएमके में थे। फरवरी 2026 में ही उन्होंने विजय की पार्टी जॉइन की थी। केरलम में सभी 140 सीटों पर नतीजे घोषित हो गए हैं। यहां यूडीएफ ने 102 सीटों पर जीत दर्ज की है। असम में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी। बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा ने 102 सीटें जीत पाई। कांग्रेस को केवल 21 सीटें ही मिल पाई। पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव हुआ। यहां मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी की अगुवाई वाली एआईएनआरसी चौथी बार सत्ता में लौटी। यहां एनडीए को 18 सीटों पर विजय मिली। कांग्रेस गठबंधन को यहां 6 सीटों से ही संतोष करना पड़ा।

- असम में भाजपा की हैट्रिक, फिर चला हिमंता का जादू 102 सीटें जीती
- पुडुचेरी में भाजपा गठबंधन को विजय 18 से ज्यादा सीटें
- केरलम में कांग्रेस की जीत, यूडीएफ को 102 सीटें मिली

देश की 76% आबादी और 72 फीसदी क्षेत्रफल हुआ अब भगवामय

■

मोदी सत्ता में आए तब केवल सात राज्यों में थीं भाजपा सरकारें

अब 22 राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकार

देश के 22 राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकार बन गई है। देश की राजधानी दिल्ली, सबसे ज्यादा लोकसभा सीट वाले उत्तर प्रदेश, यूपी से सटे बिहार के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, हरियाणा, ओडिशा, गुजरात, असम, गोवा, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड, मणिपुर, सिक्किम, मेघालय और मणिपुर में भी एनडीए या भाजपा की सरकार है। बंगाल फतह के बाद भाजपा ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट से भगवा मैप जारी किया है। बीजेपी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि देश के दिल से लेकर बंगाल तक, यह न सिर्फ एक बढ़ता हुआ नक्शा है, बल्कि यह एक ऐसे राष्ट्र का विश्वास है जो प्रगति के लिए दृढ़-संकल्पित है।

सुवेंदु अधिकारी

विजय थलापति

वीडी सतीशन

हिमंता बिस्वा सरमा

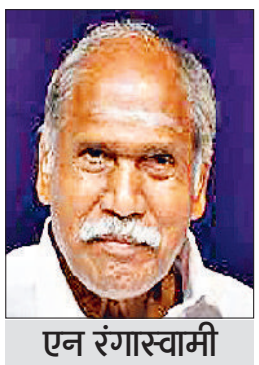

एन रंगास्वामी

केरल में खुला भाजपा का खाता, तीन सीटें जीतीं

केरल की राजनीति में आज एक नया इतिहास रचा गया है। विधानसभा चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया है कि भाजपा अब राज्य में केवल एक 'वोट-कटवा' पार्टी नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुकी है। पार्टी ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की है। इतिहास रचते हुए राजीव चंद्रशेखर ने 4900 से अधिक वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। वहीं, कोल्लम जिले की चथन्नूर सीट से भाजपा उम्मीदवार बीबी गोपकुमार ने भी 4,398 वोटों से जीत दर्ज की है। इसके अलावा वी मुरलीधरन ने कझाकट्टम निर्वाचन क्षेत्र से 428 मतों के मामूली अंतर से जीत हासिल की है। इस जीत के साथ ही केरल में भाजपा को तीन सीटें मिली हैं, जो अब तक पहली बार हुआ है। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि राज्य में भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के अब तीन विधायक होंगे। उन्होंने इस जीत को कांग्रेस और माकपा के उन दावों का करारा जवाब बताया है, जिसमें कहा गया था कि भाजपा का खाता भी नहीं खुलेगा।

HONDA The Power of Dreams | How we move you. CREATE ▸ TRANSCEND, AUGMENT

Scooter बोले तो ACTIVA 110CC

IDFC FIRST Bank ALWAYS YOU FIRST | SHRIRAM Finance | L&T Finance | Chola Enter a better life | TATA CAPITAL

अधिक जानकारी के लिए 7230032200 पर मिस्ड कॉल दें

Terms and Conditions applied. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options, and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 31st May 2026. #5% Instant Cashback up to Rs. 5000 is available on all HMSI models for EMI transactions made using HDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of Rs. 40000 (Tenure 6 months & above). #Instant Cashback of up to Rs. 4000 is available on selected HMSI models for EMI transactions using IDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of Rs. 40000 (Tenure 9 months & above). #The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. #The Instant Cashback offer is valid until 31st May 2026. ^The price shared above is of Activa 110 Std OBD2B Model Variant for Haryana. ^For more information contact nearest dealers. The feature shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

डीलर विवरण के लिए QR कोड स्कैन करें

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122052, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in

झालमूड़ी का कमाल

लखनऊ में जीत का डांस

पटना में खिलाए लड्डू

बंगाल में जीतकर सुवेंदु बने 'अधिकारी'

कभी तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे

छात्र राजनीति से शुरुआत की

सुवेंदु अधिकारी बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के कोंताई क्षेत्र से आते हैं। वे एक राजनीतिक परिवार से संबंध रखते हैं। उनके पिता सिसिर अधिकारी भी एक अनुभवी नेता रहे हैं। अधिकारी ने छात्र राजनीति से अपने करियर की शुरुआत की और धीरे-धीरे एक बड़े जननेता के रूप में उभरे। इलाके में उनकी मजबूत पकड़ ने उन्हें राज्यस्तरीय राजनीति में खास पहचान दिलाई। सुवेंदु अधिकारी ने शादी नहीं की। वो कहते हैं कि उनके इलाके के तीन प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी-सतीश सामंत, सुशील धारा और अजय मुखर्जी ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला। ये तीनों ही अविवाहित रहकर समाज और देश की सेवा में लगे रहे। उन्हीं से प्रेरणा लेते हुए सुवेंदु अधिकारी ने भी शादी न करने का फैसला किया।

2020 में शाह की मौजूदगी में भाजपा का दामन थामा था

दिसंबर 2020 में सुवेंदु अधिकारी ने अमित शाह की मौजूदगी में भाजपा जॉइन की। इसके पीछे कई कारण बताए गए। इनमें भ्रष्टाचार के आरोप और पार्टी के भीतर राजनीतिक मतभेद प्रमुख थे। उनके इस कदम से टीएमसी को बड़ा झटका लगा, जबकि भाजपा को बंगाल में एक मजबूत और अनुभवी चेहरा मिल गया। इस बार वो दो विधानसभा चुनाव सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। वो नंदीग्राम और भवानीपुर से मैदान में उतरे थे। भवानीपुर में वो ममता बनर्जी को टक्कर दे रहे हैं।

नंदीग्राम ने बनाया 'स्टार' साल 2007 में नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ हुए आंदोलन ने सुवेंदु अधिकारी को बड़ी पहचान दिलाई। उस समय उन्होंने ममता बनर्जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन का नेतृत्व किया। यही आंदोलन उनके राजनीतिक करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ा और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कड़े मुकाबले में हराकर राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरीं।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी बड़ी जीत की ओर अग्रसर है। बीजेपी की इस जीत के पीछे जिन नेताओं का सबसे बड़ा योगदान माना जा रहा है, लेकिन उनमें सुवेंदु अधिकारी का नाम सबसे ऊपर है। सुवेंदु अधिकारी को इस जीत का हीरो कहा जाए तो इसमें कुछ गलत नहीं। कभी तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे अधिकारी आज बीजेपी के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल हैं। उनकी आक्रामक रणनीति और जमीनी पकड़ ने बंगाल की राजनीति का समीकरण बदल दिया। असल में सुवेंदु अधिकारी ने टीएमसी के गढ़ में सेंध लगाकर भाजपा को मजबूत आधार दिया। उनकी मजबूत जमीनी पकड़, संगठन पर नियंत्रण और आक्रामक राजनीति बीजेपी को जीत दिलाने में अहम योगदान दिया।

मोदी ने जीता कार्यकर्ताओं का दिल अपनी फूलमाला नवीन को पहना दी

पीएम मोदी जैसे ही भाजपा मुख्यालय पहुंचे उनका स्वागत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया। उन्होंने पीएम को जैसे ही फूल माला पहनाई, पीएम ने यही फूलमाला नितिन नवीन के गले में डाल दी। उन्होंने ऐसा करके संदेश दिया कि यह प्रचंड जीत संगठन के कारण है। पीएम मोदी ने ऐसा करके पार्टी के कार्यकर्ताओं का दिल जीत लिया।

ममता को ले डूबा अहंकार : तृणमूल कांग्रेस की हार का विश्लेषण करते समय हमें सत्ता के अहंकार और जमीनी जुड़ाव के टूटने को समझना होगा। 15 साल के शासन के बाद 'एंटी-इंकंबेंसी' या सत्ता विरोधी लहर का होना स्वाभाविक है, लेकिन टीएमसी के मामले में यह लहर 'सिंडिकेट राज' और भ्रष्टाचार के गहरे आरोपों से निर्मित हुई थी। शिक्षक भर्ती घोटाला, राशन वितरण में अनियमितताएं और संदेशखाली जैसी घटनाओं ने ममता बनर्जी की 'मां-माटी-मानुष' की छवि को गहरा आघात पहुंचाया।

तृणमूल को खारिज किया: समिक
भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने चुनाव के लिए मतगणना शुरू होने के बाद पार्टी की प्रचंड जीत का विश्वास जताया। भट्टाचार्य ने मतगणना केंद्र के बाहर कहा कि राज्य की जनता ने तृणमूल कांग्रेस सरकार को पहले ही खारिज कर दिया है।

'संघ की मेहनत' का असर
पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले, आरएसएस ने बड़े पैमाने पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया और इसके स्वयंसेवकों ने लोगों के छोटे-छोटे समूहों के साथ राज्य के हर कोने में बैठकें कीं तथा उनसे इस बार निर्भीक होकर अपना वोट डालने का आग्रह किया था।

तमिलनाडु

नायक से 'जननायक' बने विजय थलापति

प्रशंसक होने की वजह से पक्ष में माहौल

चेन्नई (भाषा)। दक्षिण भारत की राजनीति में हमेशा से फिल्मी सितारों का दबदबा रहा है। इस चुनाव में किसी ने विजय थलापति को मौका नहीं दिया। अभिनेता से नेता बने विजय का चुनावी पदार्पण भी उनकी फिल्मों की तरह रोमांच और सस्पेंस से भरा रहा। तमिलनाडू में अभिनेता विजय अब 'जननायक' बनकर उभरे हैं। हालांकि, 27 सितंबर 2025 को करूर में उनकी पार्टी तमिलागा वेत्री कषगम (टीवीके) की रैली में भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत होने के बाद उनके सियासी मंसूबों को थोड़ा धक्का जरूर लगा था। इस दुखद घटना ने कई मुद्दों को उजागर किया, जिसके बाद राज्य सरकार ने राजनीतिक बैठकों और रैलियों के आयोजन के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) तैयार कीं।

वहीं विजय को इस घटना के लगभग पांच महीने बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच का सामना करना पड़ा। विजय (51) ने अपने पहले चुनावी मुकाबले में ही उल्लेखनीय प्रभाव डाला और यह साबित किया कि चुनावी लड़ाई सीधे तौर पर टीवीके और द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के बीच थी। टीवीके के एक नेता ने कहा कि सत्ता विरोधी लहर और पहली बार वोट देने वाले युवाओं, महिलाओं और युवा मतदाताओं पर उनका प्रभाव पूरे राज्य में एक लहर में बदल गया। उन्होंने कहा कि विजय के करिश्मे और बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक होने की वजह से टीवीके के पक्ष में माहौल बना। विजय ने महिलाओं के लिए सुपर सिक्स चुनावी वादे किए, जिनमें छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर और मासिक वित्तीय सहायता शामिल है। सियासत में नए होने के कारण उनकी आलोचना भी हुई कि वह राजनीतिक भाषण भी फिल्मों के संवाद की तरह देते हैं। उनकी पार्टी का पूरा चुनावी अभियान काफी हद तक विजय के इर्द-गिर्द ही रहा।

केरल

कांग्रेस गठबंधन यूडीएफ को 10 साल बाद बहुमत

केरल में जीत की खुशी में वेणुगोपाल ने सतीशन को मिठाई खिलाई

केरल में 'लालू की लालटेन' भी जली, प्रवीण ने जीता चुनाव

केरल में कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफगठबंधन की लहर के बीच लेफ्ट के साथ चुनाव लड़ रही लालू यादव की पार्टी राजद के एक उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। केरल की कुथुपरम्बा विधानसभा क्षेत्र में आरजेडी उम्मीदवार पीके प्रवीण ने कांग्रेस गठबंधन के खिलाफ चुनाव लड़ते हुए जीत हासिल की है।

केरलम्। केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यूडीएफ गठबंधन ने बहुमत प्राप्त कर लिया है। केरल में कांग्रेस की वापसी के साथ ही भारत में लेफ्ट का आखिरी किला ढह गया। अब भारत के किसी भी राज्य में वामपंथी दलों की सरकार नहीं है। केरल में 10 सालों से पिनराई विजयन के नेतृत्व में सरकार चल रही थी, लेकिन इस बार कांग्रेस ने वामपंथी सरकार को हरा दिया। 10 साल से सत्ता में रही लेफ्ट की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केरल विधानसभा चुनाव में इस बार कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ 2 कार्यकालों से सत्ता में रहे वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के बीच सीधी टक्कर रही। कांग्रेस ने यहां 2024 के लोकसभा चुनाव और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया था। एलडीएफ की हार के साथ 1960 के दशक के बाद पहली बार ऐसा होगा कि वामपंथी दल किसी भी भारतीय राज्य में सत्ता में नहीं होंगे।वहीं भाजपा के नेतृत्व वाला राजग द्विध्रुवीय राजनीति वाले राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। भाजपा भी केरल में अपनी उपस्थिति बढ़ाती नजर आ रही है। राजग, हालांकि सरकार बनाने की दौड़ में नहीं है, लेकिन 2021 में एक भी सीट जीतने में विफल रहने के बाद केरल में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए यह चुनाव अहम रहा।

सतीशन सीएम पद के बड़े दावेदार, फिर थरूर

वीडी सतीशन केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के मौजूदा विपक्ष के नेता हैं। हालांकि, 2026 के विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस और यूडीएफ में सीएम पद को लेकर चर्चाएं और आंतरिक गुटबाजी की खबरें सामने आई हैं, जिसमें केसी वेणुगोपाल का नाम भी सामने आ रहा है। इसके अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर का भी नाम लिया जा रहा है।

असम

हिमंता की 'हिम्मत' और 'भाजपा' पर बड़ी मुहर

गुवाहाटी। असम विस चुनाव 2026 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 सदस्यीय सदन में 102 सीटों पर जीत या बढ़त हासिल कर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही हिमंता बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की ओर मजबूत कदम बढ़ाया है। नतीजों के बाद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने विक्ट्री साइन दिखाकर और झूमकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया और इसे जनता के विश्वास की जीत बताया। चुनावी नतीजों के बाद पूरे राज्य में भाजपा समर्थकों के बीच जश्न का माहौल है। पार्टी नेताओं ने इसे विकास और स्थिरता की राजनीति पर जनता की मुहर बताया है।

पुडुचेरी

लगातार दूसरी बार राजग ने सत्ता बरकरार रखी

पुडुचेरी (भाषा)। पुडुचेरी में एआईएनआरसी नीत राजग ने नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की और यहां लगातार दूसरी बार सरकार बनाने के लिए तैयार है। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एवं ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) नेता एन. रंगासामी ने सोमवार को थट्टनचावडी और मंगलम सीट पर जीत हासिल की। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, एआईएनआरसी ने 11 सीट जीत ली हैं और एक पर बढ़त बनाए हुए है। पुडुचेरी की 30 सदस्यीय विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को मतदान हुआ था। राजग के घटक भाजपा ने चार सीटों पर जीत हासिल की, जबकि गठबंधन के अन्य सहयोगियों अन्नाद्रमुक और एलजेके ने एक-एक सीट पर जीत दर्ज की। विपक्षी द्रमुक ने पांच सीटें जीतीं और कांग्रेस एक सीट पर विजयी हुई।

सत्तारूढ़ पार्टी जमीनी असंतोष को समझने और कार्रवाई करने में विफल रही

भाजपा के पक्ष में हिंदू वोटों का एकीकरण हुआ, वहीं तृणमूल का अल्पसंख्यक आधार टूट गया

लेफ्ट की जिन गलतियों ने तृणमूल को जिताया, वही ममता बनर्जी ने दोहराईं

दीदी ने दुखी हो मानी हार

कोलकाता में सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के नतीजों करारी हार के बाद एक वीडियो संदेश जारी किया और अपनी हार स्वीकार कर ली। इस दौरान वे भावुक हो गईं और लोगों के सामने हाथ जोड़ते दिखाई दी।।

सेंट्रल डेस्क ▶▶| रोहतक

जब ममता बनर्जी बंगाल में एक बड़ी हार का सामना करती दिख रही हैं, तो ध्यान उन प्रमुख कारणों पर केंद्रित हो गया है, जिन्होंने 15 साल बाद उनके पतन का रास्ता तैयार किया। इस परिवर्तन (परिबर्तन) और 2011 के बदलाव में कई समानताएं दिखती हैं, जिसने तृणमूल कांग्रेस को सत्ता में पहुंचाया था। दोनों ही स्थितियों में सत्तारूढ़ पार्टी का नेतृत्व जमीनी असंतोष को समय रहते समझने और उस पर कार्रवाई करने में विफल रहा। और ममता बनर्जी ने भी कम्युनिस्टों की तरह विपक्ष के बढ़ते समर्थन को कम आंका। परिणामः एकतरफा जीत।

यह बदलाव धीरे-धीरे नहीं आया। 2024 के लोकसभा चुनावों में ममता की पार्टी ने अपना प्रदर्शन सुधारा था और बंगाल की 42 में से 29 सीटें जीती थीं। भाजपा को झटका लगा था और उसकी सीटें 18 से घटकर 12 रह गई थीं। लेकिन इसके बाद के 23 महीनों में कुछ अहम घटनाओं ने बंगाल के मतदाताओं को निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया और सत्तारूढ़ तृणमूल सरकार की किस्मत तय कर दी।

आरजी कर अस्पताल बलात्कार-हत्या मामला

अगस्त 2024 में लोकसभा चुनाव में तृणमूल की सफलता के कुछ महीनों बाद कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना हुई। इस घटना ने बंगाल और पूरे देश में भारी आक्रोश पैदा किया और हजारों लोग तृणमूल सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। ममता सरकार ने शुरुआत में इस घटना को कमतर बताने की कोशिश की और बाद में इसे प्रतिद्वंद्वी दलों द्वारा रची गई राजनीतिक साजिश बताया। बाद में मुख्यमंत्री ने पीड़िता के लिए न्याय की मांग को लेकर रैली भी निकाली, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। इस मुद्दे पर उनकी अनिश्चित प्रतिक्रिया और पार्टी तथा अस्पताल प्रशासन के बीच कथित राजनीतिक गठजोड़ के आरोपों व सबूतों से छेड़छाड़ और मामले को दबाने की कोशिश ने सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाया। जनता को लगा कि सरकार जिम्मेदारी से बच रही है और इसका गहरा असर मतदाताओं पर पड़ा।

शिक्षक भर्ती घोटाले पर फैसला

आर.जी. कर घटना के कुछ महीनों बाद अप्रैल 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें राज्य स्कूल सेवा आयोग द्वारा नियुक्त 25,000 से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति रद्द कर दी गई थी। यह फैसला ममता सरकार के लिए बड़ा झटका साबित हुआ और लोगों को पार्थ चटर्जी (पूर्व शिक्षा मंत्री) से जुड़े परिसरों से बरामद नकदी के ढेरों की तस्वीरें फिर याद आ गईं। सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि पूरी चयन प्रक्रिया पूरी तरह दूषित और अवैध थी। अदालत ने कहा कि चयन की विश्वसनीयता और वैधता समाप्त हो चुकी है। ममता ने बर्खास्त शिक्षकों को राहत देने का वादा किया, लेकिन भ्रष्टाचार का दाग बना रहा। शासन की विफलताएं और 'सिंडिकेट'शासन की कमजोरियों को लेकर बढ़ते असंतोष ने तृणमूल कांग्रेस को बड़ा नुकसान पहुंचाया। विपक्षी दलों ने राज्य में भारी उद्योग न लाने और पर्याप्त रोजगार पैदा न करने के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। सिंडिकेट यानी वह तंत्र जिसके जरिए कथित तौर पर तृणमूल नेता बुनियादी ढांचे के ठेकों से लेकर फिल्म उद्योग तक सब कुछ नियंत्रित करते थे एक बड़ा मुद्दा बन गया। भाजपा नेताओं ने कट मनी का आरोप भी लगाया, यानी हर सौदे में तृणमूल नेताओं की हिस्सेदारी।

2011 से सबक नहीं लिया

ममता बनर्जी ने 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को खत्म किया था, लेकिन आज के नतीजे दिखाते हैं कि उन्होंने अपने पूर्ववर्तियों की कई गलतियां दोहरा दीं। सबसे बड़ी गलती थी अपनी पार्टी पर नियंत्रण न रख पाना। वाम शासन के दौरान पार्टी सरकार से बड़ी हो गई थी और अनजाने में ममता ने भी अपनी पार्टी के साथ वही होने दिया। शासन पीछे छूट गया, जबकि वह राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका बढ़ाने पर ध्यान देने लगीं और यहां तक कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की कोशिश भी की। तृणमूल कांग्रेस के शासन में विकास और मनोरंजन सहित जीवन के हर पहलू पर नियंत्रण शहरी मतदाताओं को दूर कर गया।

अल्पसंख्यक वोटों का बंटवारा

आज के नतीजों में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि पूर्व तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी और नौशाद सिद्दीकी की इंडियन सेक्युलर फ्रंट दोनों ने जीत हासिल की। ये दोनों दल उन अल्पसंख्यक वोटों को लक्ष्य करते हैं, जो चुनावी रूप से बेहद महत्वपूर्ण हैं। इसका मतलब यह हुआ कि ममता का अल्पसंख्यक वोट बैंक कमजोर पड़ा। ममता के पूर्व सहयोगी और अब प्रमुख विरोधी बने सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि जहां भाजपा के पक्ष में हिंदू वोटों का एकीकरण हुआ वहीं तृणमूल का अल्पसंख्यक आधार टूट गया।

रोहतक, मंगलवार 5 मई 2026

haribhoomi.com

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

जीत का जश्न...

खुद की सीट भी नहीं बचा पाईं ममता अपने ही बागी से हारे सीएम स्टालिन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में आखिरकार, पहली बार भगवा का उदय हो गया। करीब 74 साल बाद पं. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के घर पर भगवा लहराया गया। यानी, भाजपा ने अपने पितृपुरुष का ऋण चुका दिया। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने भी कहा था- अंधेरा छंटेगा। सूरज निकलेगा कमल खिलेगा। वही हुआ भी। 15 साल बाद ममता बनर्जी की तृणमूल बंगाल से बाहर हो गई। 10 साल बाद केरलम से वामपंथी बेदखल कर दिए गए। 49 साल में यह पहली बार हुआ है कि कोई भी वामपंथी पार्टी सत्ता की राजनीति से पूरी तरह बाहर हो गई है। तमिलनाडु में एक्टर थलापति विजय की पार्टी टीवीके ने डीएमके को सत्ता से उखाड़ फेंका। असम में हिमंता व भाजपा का जादू चल गया। पुडुचेरी में भाजपा का गठबंधन सत्ता में आ गया। वहां एनआर कांग्रेस और भाजपा का गठबंधन वापसी कर रहा है। इन सभी जगह पीएम नरेंद्र मोदी कुल 29 चुनाव प्रचार अभियानों में हिस्सा लिया। इनमें से 19 जिलों में 24 रोड शो, जनसभाएं और रैलियां सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही हुईं। पीएम मोदी ने यहां मुर्शिदाबाद से लेकर कोलकाता तक ताबड़तोड़ रैलियां कीं। चुनावी कार्यक्रम भी नहीं हुए। पीएम मोदी ने जिन जगहों पर चुनावी कार्यक्रम में हिस्सा लिया, उनका असर यह रहा है कि उनके प्रचार वाली कुल 259 सीटों में से 171 सीटों पर भाजपा आगे रही। यानी मोदी के कार्यक्रम वाले क्षेत्रों में भाजपा का स्ट्राइक रेट करीब 65 फीसदी रहा। पीएम मोदी ने सोमवार की शाम 6 बजे भाजपा के दिल्ली स्थित मुख्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं का अभिनंदन किया और उनका अभिनंदन स्वीकार किया।

नकारात्मक राजनीति पड़ी दीदी को भारी, गढ़ में 58 सीटों पर मिली हार

तमिलनाडु में बड़ा उलटफेर, 2 साल पहले बनी विजय की पार्टी बनी नंबर वन

केरलम में 10 साल बाद कांग्रेस सत्ता में लौटी, पुडुचेरी में एनडीए को चौथा कार्यकाल

बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर रंग गुलाल उड़ाया

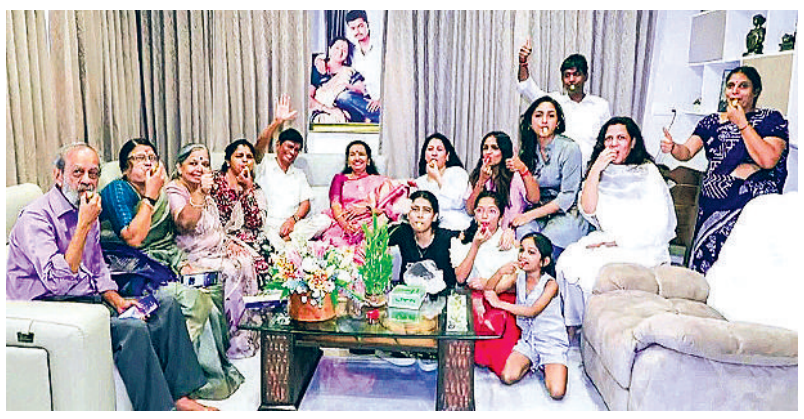

विजय के परिवार ने चुनाव चिन्ह 'सीटी' बजाकर जीत का जश्न मनाया

तीन राज्यों बंगाल, असम व पुडुचेरी में भाजपा को बहुमत, तमिलनाडु में एक्टर थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) बहुमत के करीब, केरलम में कांग्रेस की सरकार

'पालटानो दरकार, चाई बीजेपी सरकार' (पलटना जरूरी है, भाजपा की सरकार चाहिए) बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत में इस नारे ने भी अहम भूमिका निभाई

भाजपा को करीब 1.39 करोड़ वोट मिले, जबकि तृणमूल कांग्रेस को करीब 1.26 करोड़ वोट मिले। भाजपा को करीब 45% वोट मिले, जबकि टीएमसी को 40.83%. यानी सिर्फ करीब 4% का अंतर

शाह बोले, बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितैषियों को सबक सिखाया

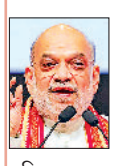

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितैषियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली पार्टियां कभी भूल नहीं पाएंगी। बंगाल ने जिन आशाओं और आकांक्षाओं के साथ मोदी जी के नेतृत्व पर यह विश्वास जताया है, हम निश्चित रूप से उन्हें पूरा करेंगे। चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद, कविगुरु टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों की पावन भूमि बंगाल का खोया गौरव लौटाने और 'सोनार बांग्ला' के स्वप्न को साकार करने के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी।

भाजपा की 'नवीन' नीति ने बदला बंगाल का गणित

करीब पांच महीने पहले भाजपा जो पार्टी में 'नवीन नीति' लाई थी, इसे उसका परिणाम कहें तो गलत नहीं होगा। नितिन नवीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया, तभी से यह चर्चा चल निकली थी कि अब निशाना पश्चिम बंगाल ही है। पहली बार पश्चिम बंगाल में इस तरह बांग्लादेशियों को अलग-थलग करने और तुष्टिकरण का मुखर विरोध करने के साथ वर्गों में बंटे हिंदुओं को एकजुट करने के लिए भाजपा ने चक्रव्यूह की रचना की थी। नितिन ने पश्चिम बंगाल से सटे बिहार से भाजपा के हर स्तर के नेता को पश्चिम बंगाल में करीब 90 दिनों के लिए शिफ्ट कर दिया। पार्टी ने बांग्लादेशियों को अलग-थलग करने के साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तुष्टिकरण की नीति के खिलाफ पूरा प्लान तैयार किया था। नितिन नवीन की पूरी टीम इस प्लान के तहत काम करती रही। दिल्ली की तरह ही पश्चिम बंगाल में भी केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों की बड़ी संख्या है। सरकारी कर्मचारियों को उनके हकों से वंचित करना और सातवें वेतन आयोग को लागू करने के वादे की वजह से लगभग 20 से 50 लाख मतदाताओं पर असर पड़ा है। चुनाव आयोग के मुताबिक 5.23 लाख मतदाता ऐसे थे जिन्हें पहली बार वोट डालना था, 1.31 करोड़ मतदाता ऐसे थे, जिनकी उम्र 20 से 29 साल के बीच है। भाजपा ने सोशल मीडिया और जमीनी स्तर पर काम कर इस वर्ग तक पहुंचने की कोशिश की और पहुंच भी गए।

49 साल में पहली बार लेफ्ट सरकार नहीं

1957 में केरलम में नंबूदरीपाद ने सत्ता दिलवाई 2026 में केरलम से ही खत्म

केरलम विधानसभा चुनाव में पिनराई विजयन की अगुवाई वाले लेफ्ट एलायंस एलडीएफ को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस की अगुवाई वाली यूडीएफ ने 140 में से 102 से ज्यादा सीटें जीतकर 10 साल बाद सत्ता में वापसी कर ली है। केरलम में इस हार के बाद 49 साल में यह पहली होने जा रहा है जब देश के किसी भी राज्य में लेफ्ट की सरकार नहीं है।

बंगाल में 'जनशक्ति की जीत'

पीएम मोदी ने सोमवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर कहा- बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी। घुसपैठ करने वालों पर एक्शन लिया जाएगा महिलाओं को सुरक्षा का महौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा। पीएम ने 47 मिनट के भाषण में पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में सरकार बनने पर कहा- गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। सालों की साधना जब सिद्धि में बदलती है तो जो खुशी होती है वो खुशी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं।

गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा

पिछले साल 14 नवंबर को मैंने यहीं से कहा था गंगा जी बिहार से आगे होते हुए गंगासागर तक जाती हैं। आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और अब पश्चिम बंगाल। आज मां गंगा के पास बसे राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकार है। 2013 में जब भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में काम दिया और काशी में जब फॉर्म भरने गया तो मेरे दिल से निकला कि न मुझे किसी ने भेजा है, ना मैं यहां आया हूं। मुझे तो मां गंगा बुलाया है

बंगाल को बदला नहीं, बदलाव चाहिए

बंगाल के भाग्य में आज से एक नया अध्याय जुड़ गया। आज बंगाल भय मुक्त हुआ है। पहली बार डर नहीं, लोकतंत्र जीता है। आज जब भाजपा जीती है तो बदला नहीं, बदलाव की बात होनी चाहिए। भय नहीं, भविष्य की बात होनी चाहिए। मेरी सभी दलों के कार्यकर्ताओं से अपील है कि आइए हिंसा के इस अंतहीन चक्र को हमेशा के लिए खत्म करें। किसने किसे वोट दिया, किसे नहीं दिया, उससे ऊपर उठकर काम करें।

कोलकाता जीत में हरियाणा ने भी मजबूत भूमिका निभाई

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने राष्ट्रीय राजनीति में हरियाणा की भूमिका को नया आयाम दिया है। हमारा मेदिनीपुर और श्रीरामपुर क्षेत्र में जनसंपर्क, सभाएं और प्रत्याशियों को दिया गया "विजय भव" संदेश असरदार साबित हुआ। चुनाव परिणामों में इन सभी विधानसभा क्षेत्रों से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों के प्रदर्शन ने यह सिद्ध कर दिया है कि हरियाणा के नेताओं द्वारा किया गया प्रचार अभियान पार्टी के लिए अत्यंत प्रभावशाली रहा। हम बंगाल के सभी मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई देते हैं। हरियाणा मॉडल की सादगी, तेज निर्णय क्षमता और संगठन से सीधा जुड़ाव अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखने लगा है। पार्टी नेतृत्व रणनीतिक क्षमता से प्रभावित है और आगामी पंजाब चुनावों में भी हमें बड़ी जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। लगातार पंजाब दौरे और बढ़ते जनसंपर्क से यह स्पष्ट है कि भाजपा पंजाब में भी भारी जीत दर्ज करेगी।

-नायब सैनी, सीएम, हरियाणा

बंगाल में जीत लाखों-करोड़ों कार्यकर्ताओं के वर्षों के समर्पण और धैर्य का परिणाम

पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व, गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की कुशल रणनीति, तथा माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में अनेक समर्पित लाखों-करोड़ों कार्यकर्ताओं के वर्षों के समर्पण, धैर्य और सतत प्रयासों का परिणाम है। बंगाल की मां-माटी-मानुष को शत-शत प्रणाम। इस विजय के साथ मानो शस्य-श्यामला धरती पर "वंदे मातरम् का सामूहिक स्वर गूंज उठा है। यह विजय हमारे प्रेरणास्त्रोत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की धरती पर राष्ट्रवाद और 'सोनार बंगला' के स्वप्न को नई दिशा देने वाली है।

-कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व वित्त मंत्री

हार : ममता बनर्जी, भवानीपुर

बंगाल में टीएमसी का परिसीमन व एसआईआर का मुद्दा फेल, बांग्लादेशी घुसपैठियों का भाजपा का मुद्दा असरदार रहा।

जीतः पिनराई विजयन, धर्मादम

केरल में एंटी हिंदू मूवमेंट घातक रहा। बेरोजगारी और धर्मपरिवर्तन जैसे मुद्दे भारी पड़ गए। कांग्रेस ने वहां अपना स्पेस तलाश लिया।

हार : एमके स्टालिन, कोलाथुर

तमिलनाडु में सनातन का विरोध ले डूबा। हिंदू धर्म के बारे में अभद्र बातें, हताश युवा और जनकल्याणकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार से हुई दुर्गति।

जीतः हिमंता सरमा, जलुकबारी

असम में घुसपैठियों को खदेड़ने का मुद्दा छाया, विकास के नए रास्ते के मंत्र ने काम किया, डबल इंजन सरकार का फॉर्मूला असर कर गया।

बदलाव डीएमके और तृणमूल की हार से भाजपा को मिलेगी बड़ी राहत

न्यूनतम हुई सरकारों में क्षेत्रीय दलों की मौजूदगी

सेंट्रल डेस्क ▶▶ रोहतक

पश्चिम बंगाल में 15 वर्षों के निरंतर शासन के बाद ऑल-इंडिया तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में डीएमके की अप्रत्याशित पराजय के साथ क्षेत्रीय दलों की सरकार में मौजूदगी निम्न स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि टीवीके एक नया क्षेत्रीय खिलाड़ी है जिसने तमिलनाडु में अच्छा प्रदर्शन किया, फिर भी राज्य में चुनावों की क्षेत्रीय रूपरेखा को नुकसान हुआ है, क्योंकि डीएमके तमिल पहचान और राजनीति की सबसे मजबूत समर्थक थी। सत्ता-विरोधी लहर (एंटी-इंकम्बेंसी) ने स्पष्ट रूप से डीएमके की उस रणनीति को हरा दिया जिसमें चुनाव को तमिल गौरव के मुद्दे पर केंद्रित किया गया था। तमिल मुद्दे के प्रमुख समर्थक मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन अपनी ही सीट हार गए। तृणमूल और डीएमके की हार केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए भी बड़ी जीत है, क्योंकि उसके दो सबसे बड़े विरोधी अब सत्ता से बाहर हो गए हैं। साथ ही यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक और झटका है। आम आदमी पार्टी तकनीकी रूप से एक राष्ट्रीय पार्टी है, लेकिन उसकी ताकत मुख्य रूप से पंजाब और दिल्ली जैसे कुछ क्षेत्रों तक सीमित रही है। अब उसका क्षेत्रीय प्रभाव भी घट रहा है। हाल ही में दिल्ली विधानसभा चुनाव हारने के बाद आप ने अपने सात राज्यसभा सांसद भाजपा को खो दिए।

राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ा रुझान

पिछले दो वर्षों के चुनावी रुझान यह दिखाते हैं कि जनता का राष्ट्रीय दलों की ओर बड़ा झुकाव हुआ है। भले ही 2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतीं। यह उस समय हो रहा है जब विपक्ष संघीय मुद्दों को उठा रहा है और केंद्र पर आरोप लगा रहा है कि वह फंड रोक रहा है, एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है और नई जनगणना के आधार पर परिसीमन के जरिए भारत के चुनावी नक्शे को बदलने की कोशिश कर रहा है, जिससे दक्षिणी राज्यों की लोकसभा में हिस्सेदारी घट सकती है। 1989 के बाद कांग्रेस के पतन के साथ क्षेत्रीय दलों का स्वर्णकाल शुरू हुआ, जिसने 25 वर्षों तक गठबंधन राजनीति को जन्म दिया। इस दौर में उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में भी क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व था। एनडीए और यूपीए दोनों गठबंधन सरकारें चलाते थे, जिन्हें टिके रहने के लिए क्षेत्रीय मुद्दों के प्रति संवेदनशील रहना पड़ता था।

विपक्ष के सामने चुनौती

विपक्ष की चुनौती यह है कि वह संघीय मुद्दों को उठा रहा है, लेकिन मतदाता लगातार राष्ट्रीय दलों खासकर भाजपा की ओर झुकते जा रहे हैं। कांग्रेस ने 2024 में 99 सीटें जीतकर प्रदर्शन सुधारा, लेकिन पिछले 12 वर्षों में वह भाजपा का विकल्प बनने में सफल नहीं रही। यही कारण है कि विपक्षी एकता की आवश्यकता ने कई दलों को संघीय मुद्दों की भाषा अपनाने पर मजबूर किया है। विपक्षी नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों ने भी राजनीति को संघीय नजरिए से देखने की प्रवृत्ति को बढ़ाया है। हालांकि, इसका मतदाताओं के व्यवहार पर खास असर नहीं पड़ा है, और हाल के विधानसभा चुनावों में भाजपा पहले से अधिक मजबूत होकर उभरी है। दक्षिण भारत में क्षेत्रीय दल अभी भी प्रभावशाली हैं, लेकिन वहां भी दबाव बढ़ रहा है। दिसंबर 2023 में तेलंगाना में कांग्रेस ने बीआरएस को हराया, जो कभी राज्य के गठन का श्रेय लेने वाला प्रमुख क्षेत्रीय दल था।

सचिवालय की 8वीं मंजिल से कूदा अफसर

बैंक घोटाले में पूछताछ से पहले ही दे दी जान

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सिविल सचिवालय की 8वीं मंजिल से कूदकर एक अधिकारी ने सुसाइड कर लिया। मृतक की पहचान पंचकूला के रहने वाले बलवंत सिंह (44) के तौर पर हुई है। वह पंचकूला में सेक्टर-6 स्थित हरियाणा पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड में बतौर अकाउंट ऑफिसर तैनात थे। मूलरूप से झज्जर जिले के रहने वाले थे। सोमवार सुबह वह विजिटर पास बनवाकर एचपीजीसीएल एक अधिकारी से मिलने सचिवालय आए थे। यह भी सामने आया है कि 590 करोड़ के आईडीएफसी बैंक घोटाले में बलवंत सिंह से एक राउंड पूछताछ हो चुकी थी। अब दूसरे राउंड की पूछताछ होनी थी। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। हालांकि, इस घोटाले में बलवंत की क्या भूमिका थी, यह सामने नहीं आया। बैंक घोटाले में चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर अमित दीवान को बर्खास्त किया गया है। आरोप है कि दीवान ने बैंक कर्मियों के साथ मिलकर खाते खोले और 50 करोड़ के फर्जी लेनदेन दिखाया।

मृतक की पहचान पंचकूला के बलवंत सिंह के रूप में हुई

रोहित गोदारा गैंग से मिली धमकी

पूर्व युवा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से मांगी 5 करोड़ की फिरौती

पानीपत (हरिभूमि न्यूज)। कांग्रेस की सीट पर पानीपत ग्रामीण विधानसभा से चुनाव लड़ चुके कांग्रेस नेता एवं पूर्व युवा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन कुंडू को रोहित गोदारा गैंग से धमकी दी गई है। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर 18 वासी कांग्रेस नेता सचिन कुंडू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 3 मई को वह किसी निजी कार्यक्रम में गांव गढ़ सरनाई में मौजूद थे। इसी दौरान शाम करीब 4: 09 और 4:10 बजे उनके मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से वॉट्सएप कॉल आई। सचिन कुंडू ने उस समय कॉल रिसीव नहीं की। कॉल न उठाने के कुछ ही मिनटों बाद, उसी विदेशी नंबर से शाम 4:12 और 4:13 पर दो वॉइस मैसेज आए। पहला मैसेज 59 सेकंड का और दूसरा 34 सेकंड का था। जब सचिन ने इन रिकॉर्डिंग्स को सुना तो उनके होश उड़ गए।

सचिन कुंडू ।

खबर संक्षेप

अस्पताल को अपग्रेड करेगा आईडीबीआई बैंक

चंडीगढ़। आईडीबीआई बैंक ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत पानीपत के जिला सिविल अस्पताल के उन्नयन के लिए हरियाणा स्वास्थ्य विभाग को 2.49 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान किया है। यह राशि चंडीगढ़ में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा को औपचारिक रूप से सौंपी गई।प्रवक्ता के अनुसार, इस अनुदान से अस्पताल के लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरण खरीदे जाएंगे, जिनमें वेंटिलेटर, डिजिटल एक्स-रे मशीन, अल्ट्रासाउंड यूनिट, ऑपरेशन थिएटर टेबल और मल्टीपैरा मॉनिटर शामिल हैं।

राखीगढ़ी में जलधारा के प्रमाण, खुदाई में अब तक का सबसे बड़ा स्टोरेज जार मिला

राखीगढ़ी के टीला-1 और टीला-3 में रेतीली मिट्टी मिली, प्राचीन नदी या बड़े जल स्रोत के संकेत

राखीगढ़ी के टीला-1 पर मकान की खुदाई में मिले जार का मुंह बंद, दिल्ली में होगी टीएल डेटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

राखीगढ़ी में हड़प्पा कालीन सभ्यता की संरचना को समझने के लिए टीलों के किनारों पर खुदाई की जा रही है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को इस कार्य में महत्वपूर्ण सफलता मिल रही है। टीला-1 और टीला-3 के बीच प्राचीन जलधारा के प्रमाण मिले हैं। टीला-1 पर लगभग छह मीटर गहराई तक खुदाई में नीचे रेतीली मिट्टी पाई गई है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि यहां कभी नदी या बड़ा जल स्रोत रहा होगा। जानकारी के अनुसार, राखीगढ़ी हड़प्पा कालीन सभ्यता का एक बड़ा मेगा सिटी था, जो संभवत दृष्टवती नदी के किनारे बसा हुआ था। टीला-1 और टीला-3 के बीच किसी नदी के बहने के संकेत लगातार मिल रहे हैं। खुदाई में पानी के बहाव के साथ मृदभांड (मिट्टी के बर्तनों) के टुकड़े भी प्राप्त हुए हैं। शोधकर्ता अब और अधिक गहराई तक खुदाई करने की योजना बना रहे हैं, ताकि इन साक्ष्यों को और मजबूत किया जा सके। टीला-1 पर एक मकान के अवशेषों में मिट्टी का बना एक बड़ा स्टोरेज जार भी मिला है, जिसका मुंह एक छोटे बर्तन से बंद किया गया है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि इसमें कोई कीमती वस्तु या अनाज रखा हो सकता है। इस जार में करीब डेढ़ सौ किलोग्राम तक अनाज संग्रहित किया जा सकता है। अब तक की खुदाई में इतना बड़ा स्टोरेज जार नहीं मिला था। इसके साथ अन्य मिट्टी के बर्तन, हड्डियों के टुकड़े और कच्ची ईंटों की दीवारें भी मिली हैं। इन सभी अवशेषों को टीएल (थर्मोल्यूमिनेसेंस) डेटिंग के लिए दिल्ली भेजा जाएगा, जिससे उनकी प्राचीनता का पता लगाया जा सकेगा।

नारनौंद। राखीगढ़ी के टीला-1 पर खुदाई के दौरान मिला स्टोरेज जार।

जल स्रोत प्रमाण मिलना बड़ी उपलब्धि : पुरातत्वविद

अधीक्षण पुरातत्वविद मनोज सक्सेना के अनुसार, जल स्रोत के प्रमाण मिलना एक बड़ी उपलब्धि है। इससे यह स्पष्ट होगा कि यहां कभी नदी या बड़ा तालाब था, जिसका उपयोग उस समय के लोग करते थे। उन्होंने बताया कि फिलहाल छह मीटर तक खुदाई की गई है और इसे तीन से चार मीटर और गहराई तक बढ़ाया जाएगा। स्टोरेज जार का मुंह फिलहाल बंद है, जिसे खोलने के बाद ही इसके अंदर की वस्तु का पता चल सकेगा।

पल्ला सेहतपुर में बनेगा अर्बन हेल्थ सेंटर : आरती

चंडीगढ़। सरकार ने फरीदाबाद के पल्ला सेहतपुर में एक अर्बन हेल्थ सेंटर के निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति दी है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि गांव पल्ला सेहतपुर में बनने वाले अर्बन हेल्थ सेंटर के निर्माण पर 22.33 करोड़ रुपए खर्च होंगे। आरती सिंह राव ने बताया कि इस स्वास्थ्य संस्थान के शुरू होने से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी, बल्कि बड़े अस्पतालों पर भी दबाव कम होगा। इससे लोगों को समय पर इलाज मिल सकेगा और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार लगातार स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने, नई सुविधाएं जोड़ने और हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि गांवों में स्वास्थ्य केंद्रों पर सरकार की पैनी नजर है, वहां तेजी से काम हो रहे है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कोटक महिंद्रा बैंक लि. ने निम्नलिखित वाहनों की नीलामी का आयोजन किया है :

1.) TATA LPTK 3118 (राजेश संजय) YOM-2017, OD35B6085
2.) TATA Ace (गौरव) YOM- 2023, HR39F2888
3.) TATA LPK 2518 (आर.एन. एसोसिएट्स) YOM-2018, HR67C2947
4.) AL Dost (सुरेश) YOM-2022, HR61E8827
5.) TATA LPS 4018 (राजीव) YOM-2014, HR56A0017
6.) TATA LPS 4018 (गगनदीप नच्छत्तर) YOM-2015, HR63C9659
7.) AL Dost (राजिन्दर सिंह) YOM-2022, HR61E6021
8.) MARUTI SUPER CARRY (अमन) YOM-2023, HR46F9918
9.) AL BADA DOST (सौरभ डांगी) YOM-2024, HR69F3694
10.) TATA LPT 3118 (शंटी राजबीर) YOM-2018, HR55AC1928
11.) TIPPER_BLAZO_35X_MAHINDRA (यश इंजीटेक प्रा. लि.) YOM-2023, HR69F8871
12.) TATASIGNA5530 (बलजीत सिंह) YOM-2023, RJ40GA6598

मै. कोटक महिंद्रा बैंक के पास दृष्टिबंधक के अधीन है, यह वस्तु "जैसी है, जहाँ है स्थिति" में बिक्री के लिए उपलब्ध है। इच्छुक पार्टियां इस समाचार-पत्र प्रकाशन से 7 दिनों के अंदर अर्थात 11.05.26 को या इससे पूर्व, अपने उद्धरण (ऑनलाइन/ऑफलाइन) दे सकती हैं।
(कृपया ध्यान दें कि नीलामी की अंतिम तिथि साप्ताहिक अवकाश/छुट्टी के दिन नहीं होगी)।
शाखा पता :
प्रथम तल, प्लॉट नं. 406 से 408/28, रूपालय कॉम्प्लेक्स, डी-पार्क, मॉडल टाउन, रोहतक-124001
अथवा संपर्क करें : श्री गोवर्धन जोशी, कोटक महिंद्रा बैंक लि.,
संपर्क नं. : +91-9671300231,
ईमेल: Goverdhan.Joshi@kotak.com

सीएम के राजनीतिक सलाहकार सड़क हादसे में घायल, नीलगाय से टकराई कार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पॉलिटिकल एडवाइजर तरुण भंडारी की कार का रविवार देर रात एक्सीडेंट हो गया। जानकारी के अनुसार, पंचकूला के रामगढ़-बिल्ला गांव के पास उनकी कार के सामने अचानक नीलगाय आ गई। उसे बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर टकरा गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और एयरबैग खुलने से बड़ा हादसा टल गया।

■ **हादसे में तरुण भंडारी के बाएं हाथ में फ्रैक्चर आया**

हादसे में तरुण भंडारी के बाएं हाथ में फ्रैक्चर आया है, जबकि उनके साथ मौजूद सुरक्षाकर्मी और अन्य लोग बाल-बाल बच गए। घटना के समय भंडारी नगर निगम चुनावी दौरे से पंचकूला स्थित अपने आवास लौट रहे थे। दुर्घटना के बाद मौके पर पुलिस और एंबुलेंस को बुलाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया है।

कोलकाता की जीत में 'हरियाणा मॉडल' की छाप : नायब सैनी

चंडीगढ़। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की बंपर और ऐतिहासिक जीत ने केवल बंगाल में ही नहीं बल्कि पूरे देश में एक नया संदेश दिया है। इस जीत में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भी पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर अहम भूमिका रही, जिससे नायब सैनी को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी राजनेता के रूप में मजबूती मिली है। नायब सैनी की कार्यशैली, जो सादगी, जमीनी कनेक्ट और तेज़ फैसलों के लिए जानी जाती है, अब केवल हरियाणा तक सीमित नहीं रही। हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार के बाद पश्चिम बंगाल में पार्टी को मिली सफलता ने यह दिखा दिया है कि नायब सैनी राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना प्रभाव रखते हैं।

जहां चुनाव प्रचार किया वहां सभी प्रत्याशी जीते

पार्टी द्वारा संचालित चुनाव प्रचार अभियान के तहत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पश्चिम बंगाल में परिवर्तन यात्रा के दौरान सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने मेदिनीपुर जिले के मोयना विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। इसके उपरांत वे हुगली नदी के तट पर स्थित श्रीरामपुर पहुंचे, जहां उन्होंने भास्कर भट्टाचार्य (श्रीरामपुर), दिलीप सिंह (चम्पादनी), देबासिस मुखर्जी (चांदीतला), प्रसनजीत बाग (जंगीपारा) और दीपांजन चक्रबर्ती (उत्तरपरा) के नामांकन कार्यक्रमों में भाग लेकर सभी उम्मीदवारों को विजय भव का आशीर्वाद दिया।

जे-17011/418/2022-प्रशा.
युवा मामले एवं खेल मंत्रालय
(युवा मामलों का विभाग)
जीपीओए-3, नेताजी नगर, नई दिल्ली-110023
वेबसाइट : https://yas.gov.in

वॉक-इन-इंटरव्यू

अनुबंध आधार पर युवा पेशेवरों की भर्ती के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू युवा मामले विभाग, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, जीपीओए-3, नेताजी नगर, नई दिल्ली-110023 में 05 से 07 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

ध्यान दें : रिक्तियों, अन्य विवरण और शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, हेतु कृपया हमारी वेबसाइट https://yas.gov.in पर बारम्बार पधारें। इस सम्बन्ध में कोई अलग से सूचना समाचार-पत्र में प्रकाशित नहीं की जाएगी।

हस्ता/- भारत सरकार के अवर सचिव
सीबीसी-47107/11/0002/2627

हरियाणा सरकार **निविदा सूचना**

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर पालिका बवानी खेड़ा	वार्ड नं. 05, एम.सी. बवानी खेड़ा में सुरेन्द्र के मकान से सुरेश शॉपकीपर तक और बबली से महेन्द्र तक और करम चंद से कृष्ण तक गली का निर्माण + 6 कार्य।	01.05.2026 08.05.2026	रु. 80.91 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9802401200 [illegible]

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/44909/I/88/6 दि. 04.05.26

जनता ने विकास को चुना नकारात्मक राजनीति को नकारा: विपुल गोयल

चंडीगढ़। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी व राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिली जीत पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देश की जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश विकास, सुशासन और पारदर्शिता की राजनीति पर जनता की स्पष्ट मुहर है।

विपुल गोयल ने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी की जनता ने यह साबित कर दिया है कि देश अब झूठ, भ्रम और नकारात्मक राजनीति को अस्वीकार कर विकास आधारित नेतृत्व को स्वीकार कर चुका है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभाव अब जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है।

पश्चिम बंगाल के बाद अब पंजाब में बनेगी भाजपा की सरकार : अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी भारी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी विकास, सुरक्षा, अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे प्रमुख मुद्दों को लेकर चुनाव मैदान में उतरेगी।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि वहां की जनता ने अन्य राजनीतिक दलों को नकार दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में होने वाले निकाय चुनावों में भी भाजपा जीत हासिल करेगी, क्योंकि पार्टी के पक्ष में माहौल बना हुआ है। अब आगे पार्टी पंजाब फतह के लिए तैयार हो रही है।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Sh. Sagar Sharma
Civil Judge (Junior Division), Ganaur
SITA RAM ETC.
Vs.
RANDHIR ETC.
APPLICATION FOR PREPARATION OF FINAL DECREE AS PER THE PRELIMINARY DECREE DATED 14.12.2023
CM No. 14/2026
CNR No. HRSOA0-000074-2026
Next Date:- 27-07-2026
PUBLICATION ISSUED TO :-
5. Smt. Kasturi through her LR's.
(1) Jagdish son of Kasturi D/o Hari Singh
(ii) Kirshan son of Kasturi D/o Hari Singh
(iii) Mahender son of Kasturi D/o Hari Singh
(iv) Bhoop son of Kasturi Dio Hari Singh
(v) Shyam son of Kasturi D/o Hari Singh
(vi) Smt. Vidya daughter of Kasturi Dio Hari Singh
(vii) Shukantla daughter of Kasturi D/o Hari Singh
(viii) Sheela daughter of Kasturi D/o Hari Singh
Village Atail Tehsil Ganaur District Sonipat.
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 27-07-2026 at 10:00 a.m.
For details https://highcourtchd.gov.in/?trs-district notice&district-Sonipat
Sd/- Civil Judge (Junior Division), Ganaur
Dated, this day of 04.05.2026

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Sh. Shanker Doon
Civil Judge (Junior Division), Rohtak
CANARA BANK THROUGH SH. TARUN SHARMA, ITS MANAGER AND PRINCIPAL OFFICER
Vs.
MAHESH KUMAR S/O SH. DHIRENDER SINGH, MANAGER
IT IS, THEREFORE, PRAYED THAT THE RECOVERY AMOUNT WITH INTEREST BE PASSED IN FAVOUR OF PLAINTIFF.
CNR No. HRRH02-001735-2024
Next Date:-30-05-2026
PUBLICATION ISSUED TO :-
Mahesh Kumar S/o Sh. Dhirender Singh, Manager
Manager, Super and Sipper, Asthal Bohar Rohtak
Resident of Baba Mastnath University, Delhi Road, Rohtak also at H no 5482 Sector-3, Ballabgarh, Faridabad
In above titled case, the defendant(s) /respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) /respondent(s) should appear in person or through counsel on 30-05-2026 at 10:00 a.m.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district notice&district= Rohtak
Sd/- SHANKER DOON Civil Judge (Jr. Divn.) Rohtak
Dated, this day of 02.05.2026

उद्यान विभाग, हरियाणा
पुष्प एवं बीज उत्पादन तकनीकी उत्कृष्टता केन्द्र, मुनीमपुर (झज्जर)-124105
ई-मेल: coemunimpur@gmail.com

फूल व सब्जियों के बीज की खरीद हेतु कुटेशन आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पुष्प एवं बीज उत्पादन तकनीकी उत्कृष्टता केन्द्र, मुनीमपुर, झज्जर पर हाईटैक ग्रीनहाउस में फूल व सब्जियों की पौध तैयार की जानी है जिसके लिए बीज की खरीद की जानी है जिसके लिए केन्द्र पर खुले बाजार से कुटेशन आमंत्रित की जाती है। खरीदे जाने वाले बीज का विवरण निम्न प्रकार से हैः-

Sr. No. ing	Crop	Specification	Variety	Quantity of Seeds required	Weight /size of pkd.	Total pkt required	Rate per pkt.	Total Amount (includ-all charges)
01	Marigold	Type-African Colour-Orange	Tennis Ball/ Ashatgandha plus KSP-1779	1,50,000				
02	Marigold	Type-African Colour Yellow	Tennis Ball Yellow/Liril/ Kavya-1780	1,00,000				
03	Tomato	Hybrid	1718/2535/ Pragati	25,000				
04	Chilli	Hybrid	SPS-02/ Mahima/ Antara	25,000				
05	Brinjal	Hybrid	Anour/Nano/ VNR-212	10,000				
06	Cauliflower	Hybrid	NS-136/ CFL-1522	40,000				
07	Bottle Gourd	Hybrid	Noor-92/ Ashoka/ Vachan-1830	10,000				
08	Sponge gourd	Hybrid	Meira/Indam-65/Sitara	10,000				
09	Ridge Gourd	Hybrid	Ratan/Loofa/ Damini long	10,000				
10	Pumpkin	Hybrid	EZPK-118/MBF-555/Lusia-1296	5,000				
11	Summer Squash	Hybrid	DON-17/Cubali-786/Shobha	5,000				
12	Bittergourd	Hybrid	AZ-37/VNR-42/Deva	5,000				
13	kakri	Hybrid	Bikaneri/ Saloni	5,000				
	Total			4,00,000				

1. इच्छुक फर्म अपनी कुटेशन अपनी फर्म के लेटर हैड पर दिनांक 05.06.2026 तक सांय 02:00 बजे तक कार्यालय में दस्ती तौर/पोस्ट/कुरियर के माध्यम से जमा करवा सकती है।
2. कुटेशनों का आकलन कमेटी द्वारा किया जाएगा। अतः सबसे कम कुल कीमत वाली कुटेशन को स्वीकृत किया जाएगा। कुटेशनों को स्वीकृत/अस्वीकृत करने के सभी अधिकार केंद्र की आकलन कमेटी के पास होंगे।
3. बोलीदाता को अपने Seed Licence की प्रति कुटेशन के साथ सलंग्न करनी है।
4. इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए डॉ. हेमन्त (Mob no.8683801977) पर संपर्क कर सकते हैं।

हस्ता/-परियोजना अधिकारी कम विषय वस्तु विशेषज्ञ, पुष्प एवं बीज उत्पादन तकनीकी उत्कृष्टता केन्द्र, मुनीमपुर, झज्जर।
पीआरडीएच-1149/11/1088/2027/44906/88/6 दि. 04.05.26

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ममता बनर्जी के अहंकार का हुआ अंत : गौरव गौतम

चंडीगढ़। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी की बंपर जीत पर हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह जीत देश की जनता के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्वास और विकास की राजनीति पर मुहर है। जनता ने ममता बनर्जी के अहंकार का करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में मिली ऐतिहासिक सफलता यह दर्शाती है कि जनता अब जातिवाद और तुष्टिकरण को सहन नहीं करेगी।

राशिफल

मेष — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष — मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला — वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन — मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मिशन कर्मयोगी : सरकार ने कर्मियों का कैडर-वार डाटा मांगा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने 'मिशन कर्मयोगी' के तहत राज्य के प्रशासनिक ढांचे को और अधिक कुशल और प्रभावी बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। मुख्य सचिव कार्यालय के प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी निर्देशों में सभी प्रशासनिक सचिवों से उनके विभागों के प्रत्येक श्रेणी के कर्मचारियों की कैडर-वार भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का विस्तृत विवरण मांगा गया है। इसका उद्देश्य विभागवार कार्यप्रणाली को स्पष्ट करना और प्रशिक्षण को जरूरत आधारित बनाना है। हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन को इस क्षमता निर्माण पहल को लागू करने वाली नोडल संस्था बनाया गया है।

मुख्य सचिव का विभागों को निर्देश, हिपा को रिपोर्ट भेजें

संस्थान के महानिदेशक ने विभागों से यह जानकारी मांगी है, ताकि 'आवश्यकता आधारित क्षमता निर्माण योजना' तैयार की जा सके। इस पहल का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण प्रणाली को अधिक संरचित, निरंतर और परिणामोन्मुख बनाना है। इसके तहत कर्मयोगी प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे सरकारी कर्मचारी आधुनिक कार्यप्रणाली में दक्ष हो सकें। सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट तैयार कर हिपा को भेजें।

शब्द पहेली - 6216

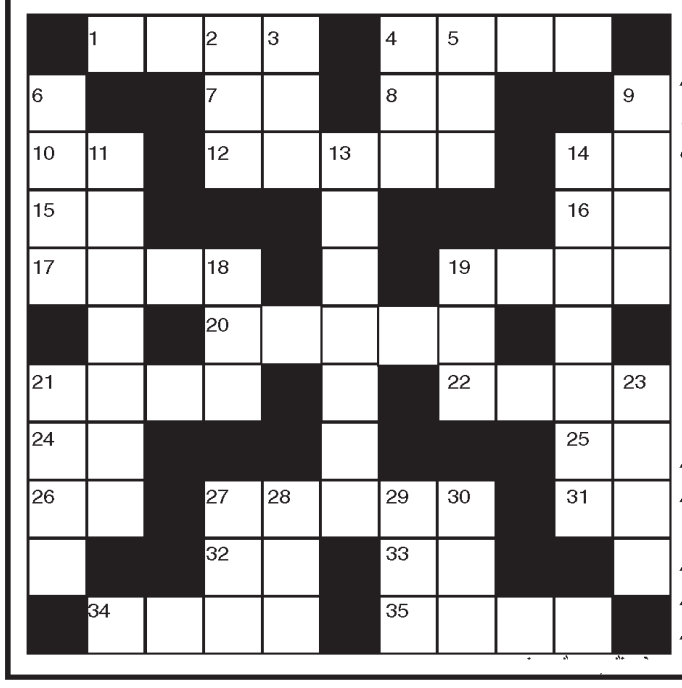

बाएँ से दाए-
1. एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4. दान देने वाला-4
7. सवारी गाड़ी-2
8. संख्या, रत्न-2
10. जाप, मंत्र पाठ-2
12. आक्रमणकारी-5
14. अपशिष्ट पदार्थ-2
15. दिन, प्रहार-2
16. भीगा हुआ-2
17. शिशु, पैदा हुआ बच्चा-4
19. कीमती-4
20. आलसी, निष्ठाहीन-5
21. जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22. गारंटी, मुचलका-4
24. रिश्तेदार-2
25. शेर, नाहर-2
26. पिटाई, चोट-2
27. निम्नता, न्यूनता-5
31. परिणाम, निष्कर्ष-2
32. महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33. मूल, कंद-2
34. उदाहरणार्थ-4
35. पितृपक्ष-4

ऊपर से नीचे
2. सवेरा, भोर-3
3. सांभर जैसा आहार -3
4. दैत्य, असुर-3
5. शहर-3
6. तरुण, जवान-4
9. एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11. ईश्वर, रब-7
13. डांट, फटकार, भर्त्सना -3,4
14. भारत के पुर्व प्रधानमंत्री-5,2
18. अधीन-3
19. निवेदन, प्रार्थना-3
21. असमतल-4
23. धमाका, सनसनी-4
27. करिश्मा-3
28. बारीक-3
29. कपड़े धोनेवाला-3
30. पिटाई करना, भांपना-3

शब्द पहेली - 6215 का हल

र	प	ट	ना		ज		अ	प	रा	ध
	ल		म		ना	वि	क		ल	ड़
ह			ज	ल	न		ल			क
म	क	स	द		खा	ना		थ	का	न
रा		ब		म	न		ध्व		लि	
ज	प	क	र	ना		रा	ज	कु	मा	र
	ह		वा		या	त्री		लीं		वा
क	रा	र		न	न		अ	न	ब	न
म			ज		चा	क	र			गी
सि	ला		ह	म	ल		दा		सां	
न	क	सी	र		क		स	दा	चा	र

खबर संक्षेप

आरटीआई लगाने पर हनीट्रैप की रची साजिश महिला समेत दो काबू

सिरसा। जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां आरटीआई एक्ट के तहत मांगी गई जानकारी से बचने के लिए सरपंच के परिवार ने आरटीआई लगाने वाले को हनीट्रैप में फंसा लिया। इसके लिए गांव की ही एक 32 साल की महिला को पंचायत कोटे से प्लॉट दिलाने का झांसा देकर साथ मिलाया। महिला ने वीडियो कॉल और चैटिंग की जरिए अश्लील बातें कीं। हालांकि आरटीआई लगाने वाले को शक हो गया और उसने उल्टा उसकी कॉल रिकॉर्ड करके पुलिस को शिकायत दे दी। जांच में सामने आया कि गांव की महिला सरपंच के प्रतिनिधि व भतीजे ने सारा खेल रचा था। पुलिस ने इस साजिश में शामिल गांव की महिला आशा और सरपंच के भतीजे सुरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। नाथुसरी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि सरपंच विनोद रानी व प्रतिनिधि ओमप्रकाश का भी एफआईआर में नाम है।

घर में इनवर्टर ठीक करते वक्त बैट्री फटने से युवक की मौत

महेंद्रगढ़। गांव सुरजनवास में इनवर्टर ठीक करते वक्त अचानक बैट्री फट जाने से अनिल कुमार यादव की मौत हो गई। पुलिस को दी शिकायत में अजीत कुमार यादव वासी सुरजनवास ने बताया कि 3 मई को चाचा का लड़का अनिल कुमार अपने घर पर इनवर्टर को ठीक कर रहा था। तब अचानक से इनवर्टर की बैट्री फट गई। ग्राइंडर का कट भी उसके दाएं हाथ को लगा। इसके बाद उसे सरकारी अस्पताल महेंद्रगढ़ ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने चेक करके उसके भाई अनिल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों के बयान पर इत्तफाकिया हादसे की कार्रवाई करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया।

मुठभेड़ में पुलिसकर्मी को लगी गोली, बुलेटप्रूफ जैकेट से बची जान

कैथल पुलिस ने 5 हजार के इनामी बदमाश संदीप का किया एनकाउंटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल पुलिस ने रविवार रात को गांव फरल के निकट इनामी आरोपी का एनकाउंटर कर दिया। आरोपी की टांग में एक गोली लगी है। आरोपी की पहचान मटौर के संदीप के रूप में हुई है। उसे नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। आरोपी थाना शहर कैथल क्षेत्र के अंतर्गत फायरिंग करके एक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में वांछित था, जिसकी गिरफ्तारी पर 5 हजार का इनाम घोषित किया गया था। उसके तीन साथियों को पहले ही पकड़ा जा चुका है।

डीएसपी सुशील प्रकाश ने बताया कि एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई मुकेश कुमार की टीम रात को गश्त के दौरान पूंडरी क्षेत्र में मौजूद थी। जहां पुलिस टीम को सूचना मिली कि वांछित इनामी संदीप गाड़ी में सवार होकर फरल की तरफ से पूंडरी की तरफ जाएगा। टीम ने फरल नहर के पास नाकाबंदी की गई। जहां कुछ समय बाद फरल साइड से आई एक संदिग्ध आई-20 गाड़ी को पुलिस टीम द्वारा रुकने का इशारा किया गया। चालक ने गाड़ी भगाकर भागने का प्रयास किया गया, जो गाड़ी आगे पेड़ में टकरा गई। गाड़ी में सवार युवक ने गाड़ी से उतरकर भागते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

एक गोली टीम इंचार्ज एसआई मुकेश कुमार की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। पुलिस टीम जवाबी कार्रवाई में युवक की तरफ फायर किया गया, जो एक गोली युवक की दाहिनी टांग में लगी, जिससे वह गिर गया तथा पुलिस टीम द्वारा उसे काबू कर लिया गया। जिसकी पहचान गांव मटौर निवासी संदीप हाल निवासी शुगर मिल कॉलोनी कैथल के रूप में हुई। आरोपी के कब्जे से एक अवैध असलाह व एक कारतूस बरामद हुआ है।

भाई की हत्या का बदला लेने के लिए रची थी साजिश

आरोप था कि फरवरी 2014 में अमित ने राहुल निवासी दयालपुर के साथ मिलकर मटौर निवासी मंदीप की हत्या की थी। उक्त मामले में दोनों आरोपी वर्ष 2015 में बरी हो गए। इसी रंजिश के कारण योजनाबद्ध तरीके से संदीप निवासी मटौर (मृतक मंदीप का भाई) ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अमित पर फायरिंग करके जानलेवा हमला किया था। आरोपी संदीप पर पहले एक लड़ाई झगड़े का मामला दर्ज है।

अमित व उसके साथी पर चलाई थी गोली

डीएसपी ने बताया कि अमित निवासी बलराज नगर कैथल की शिकायत के अनुसार 19 फरवरी रात 9:30 बजे अमित उसके साथी जनकपुरी कॉलोनी कैथल निवासी राहुल के साथ जाखोली अड्डा ठेके पर गया। तभी संदीप निवासी मटौर ने अमित पर देसी कट्टे से फायरिंग की। अमित गाड़ी से उतरकर भागा। संदीप व उसके साथियों ने पीछा करते हुए कई फायर किए। अनाज मंडी गेट पर एक गोली अमित के दाहिने हाथ में लगी। घायल हालत में वह ट्रक के पास छिप गया, जिसके बाद आरोपी फरार हो गए। उक्त मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

आरोपी के खिलाफ पुलिस टीम पर कातिलाना हमला करने के आरोपी तहत थाना पूंडरी में मामला दर्ज किया गया।

कंपनी का एमडी बनकर कर्मचारी से 30 हजार की ठगी

नारनौल। निजामपुर थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है, जिसमें ठगों ने कंपनी का एमडी बनकर कर्मचारी से 30 हजार रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गांव खातोली अहीर निवासी देवेन्द्र ने थाना निजामपुर में दी शिकायत में बताया कि 20 मार्च शाम करीब 6:25 बजे उसके ऑफिस की मेल आईडी पर कंपनी के एमडी के नाम से एक ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें उसका मोबाइल नंबर मांगा गया। जिसे सही समझते हुए अपना नंबर मेल के जरिए भेज दिया।

इसके बाद उसी दिन शाम 6:43 बजे उसके मोबाइल नंबर पर एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया। मैसेज करने वाले व्यक्ति ने खुद को एमडी बताते हुए अमेजन से स्टीम वॉलेट कोड खरीदने के लिए कहा। देवेन्द्र ने निर्देश अनुसार 10-10 हजार रुपये के तीन सेट कोड खरीदे और बताए गए ई-मेल आईडी पर भेज दिए, जिनकी कुल कीमत 30 हजार रुपये थी। कुछ देर बाद ठगों ने उसे दो और सेट खरीदने के लिए कहा, जिससे उसे शक हुआ। उसने अपने असली एमडी से फोन पर संपर्क किया, तब उसे ठगी का पता चला।

टोहाना में रविवार रात हादसा

आंधी में पेड़ टूटकर गिरने से ट्यूबवेल ऑपरेटर की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिले के शहर टोहाना में रविवार देर रात आई तेज आंधी ने एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। जनस्वास्थ्य विभाग में कार्यरत एक ट्यूबवेल ऑपरेटर की उस समय मौत हो गई, जब ड्यूटी से घर लौटते समय रास्ते में एक पेड़ की भारी-भरकम टहनी उन पर गिर गई। इस हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर है और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, गांव इंदाछुई निवासी 39 वर्षीय आदेश कुमार चंदड़ गांव में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत ट्यूबवेल ऑपरेटर के पद पर तैनात थे। रविवार रात को जब वे अपनी ड्यूटी खत्म कर स्कूटी पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे तो अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज आंधी के कारण चंदड़ खुर्द के पास सड़क किनारे एक पेड़ की बड़ी टहनी टूटकर सीधे आदेश कुमार और उनकी स्कूटी पर जा गिरी। टहनी की चपेट में आने से स्कूटी अनियंत्रित हो गई और आदेश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजन को मिलेगी नौकरी

मृतक आदेश कुमार अपने पीछे पत्नी और दो मासूम बेटियों को छोड़ गए हैं, जिनकी उम्र महज 7 और 5 साल है। पब्लिक हेल्थ विभाग के एसडीओ रामरखा ने बताया कि विभागीय नियमानुसार मृतक के परिवार के एक सदस्य को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी जाएगी ताकि परिवार का भरण-पोषण हो सके। स्थानीय निवासियों में इस घटना को लेकर गहरा रोष है। लोगों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है; पिछले वर्ष भी डांगरा रोड पर पेड़ गिरने से एक बाइक सवार अपनी जान गंवा चुका है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि सड़कों के किनारे लगे सूखे और खोखले पेड़ों को तुरंत चिन्हित किया जाए और उन्हें कटवाया जाए।

सांसद रेखा शर्मा पर विधायक चंद्रमोहन ने कोर्ट में किए केस

पंचकूला। भाजपा की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल पर की गई टिप्पणी का मामला अब कोर्ट पहुंच गया है। चौ. भजनलाल के छोटे बेटे और पंचकूला से कांग्रेस विधायक चंद्रमोहन ने सोमवार को सिविल और क्रिमिनल दोनों तरह के केस दायर किए हैं। उन्होंने रेखा शर्मा को माफी मांगने के लिए 7 दिन का समय दिया था, जो रविवार को पूरा हो गया। कोर्ट ने गवाही और सबूत सुनने के बाद 20 मई को मामले की सुनवाई रखी है। वहीं, सिविल जज अरुणिमा चौहान की कोर्ट ने चंद्रमोहन द्वारा किए गए मानहानि के मुकदमे पर सुनवाई करते हुए सांसद रेखा शर्मा को 7 मई के लिए नोटिस भेजा है। कुलदीप बिश्नोई के बयान पर चंद्रमोहन ने कहा कि वे अपने पिता के खिलाफ और अपने भाई के बारे में कुछ भी नहीं सुन सकते। चंद्रमोहन ने लीगल नोटिस में कहा कि सांसद रेखा ने चुनावी सभा में उनके परिवार के लिए अभद्र टिप्पणी की है।

घरेलू कलह : सिविल इंजीनियर दो बेटों के साथ नहर में कूदा

फरीदाबाद। घरेलू कलह से तंग आकर एक सिविल इंजीनियर पांच और आठ वर्षीय 2 बच्चों के साथ आगरा नहर में कूद गया। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम सूचना पर मौके पर पहुंची और सर्च अभियान शुरू किया। टीम को युवक का बड़ा बेटा 5 किलोमीटर दूर नहर किनारे सुरक्षित मिल गया है। युवक की पहचान भगवत दयाल (35) के रूप में हुई है, जो पेशे से सिविल इंजनियर है। वह गुजरात के अहमदाबाद की प्राइवेट कंपनी में काम करता है। परिवार के साथ वह गांव असावटी में रह रहा था। हाल ही में वो छुट्टी पर घर आया था। बताया जा रहा है कि उसका अपनी पत्नी के साथ विवाद हुआ था। रविवार रात 9 बजे के करीब वह संडे बाजार में घुमाने के लिए अपने बेटे सम्राट (8) और युग (5) को लेकर आया था। मगर, वह संडे बाजार न जाकर बच्चों को डीग फतेहपुर बिल्लोच स्थित आगरा नहर के पुल पर ले आया और आगरा नहर में छलांग लगा दी।

ट्रॉले ने बाइक सवार दंपति को कुचला

- लोगों का आरोप-ट्रैफिक सिग्नल ठीक ढंग से नहीं कर रहे काम, आरोपी ट्रॉला चालक मौके से फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल के मेरठ रोड पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रॉले ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों ट्रॉले के पहियों के नीचे आ गए। हादसे के बाद चालक ट्रॉला छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ट्रॉले को भी कब्जे में ले लिया गया है, जबकि फरार चालक की तलाश जारी है। जांच में सामने आया है कि हादसे के समय ट्रैफिक सिग्नल सही तरीके से काम नहीं कर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रॉला तेज रफ्तार में आया और बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला ट्रॉले के अगले पहिए के नीचे आ गई, जबकि पुरुष पिछले पहिए के नीचे आ गया।

बेटा अमेरिका से डिपोर्ट होकर लौटा था

मृतकों की पहचान सुंदर लाल (55) और उनकी पत्नी नीलम (50) के रूप में हुई है, जो असंध क्षेत्र के राहड़ा गांव के निवासी थे। दोनों करनाल कोर्ट के पास एक ज्वेलरी शॉप पर किसी काम से आए थे और दोपहर बाद वापस लौटते समय यह हादसा हुआ। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रॉले को कब्जे में लेकर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और एक बेटा शामिल है। बताया गया है कि बेटा कुछ समय पहले अमेरिका गया था, लेकिन हाल ही में उसे वहां से डिपोर्ट कर दिया गया था।

बीमे के नाम पर 35 लाख की ठगी में दो गिरफ्तार

सोनीपत। साइबर थाना पुलिस ने यूपी के सोनहौल और गौहरो क्षेत्र से ओम प्रकाश उर्फ गुड्डू निवासी मेरठ हाल निवासी चंदौली और नागेंद्र निवासी चंदौली को पकड़ा है। साइबर थाना प्रभारी बसंत ने बताया कि 30 जनवरी को सैनीपुरा निवासी राजेश कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उनके पास बजाज एलायंस कंपनी की बीमा पॉलिसी थी, जिसमें कोरोना काल के बाद कोई लेन-देन नहीं हुआ था। 16 सितंबर, 2024 को उनके मोबाइल पर कॉल आई, जिनमें पॉलिसी की जमा पूंजी निकलवाने का झांसा दिया। उनसे प्रोसेसिंग चार्ज के नाम पर 35.28 लाख रुपये 89 बार में ट्रांसफर करवा लिए।

आत्मनिर्भर भारत

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

सहकार से समृद्धि

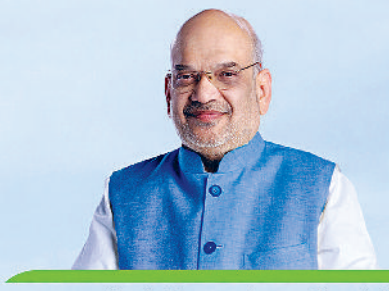

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं
माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के
मार्गदर्शन में नैनो उर्वरकों से हो रही है भारतीय कृषि सशक्त

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
"दुनिया के लिए सहकारिता एक बिजनेस मॉडल है, लेकिन भारत के लिए यह हमारी संस्कृति का आधार और जीवन जीने का तरीका है।"

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री
श्री अमित शाह जी

नैनो उर्वरकों का कमाल, हर खेत-किसान बने खुशहाल

नैनो यूरिया प्लस • नैनो डीएपी • नैनो एनपीके • नैनो ज़िंक • नैनो कॉपर
धरामृत • सागरिका • जैव उर्वरक

उत्तम खेती के लिए स्मार्ट समाधान

मिट्टी की उर्वरता बढ़े
कम लागत में अधिक उत्पादन
पर्यावरण के लिए सुरक्षित
फसल की गुणवत्ता में सुधार
कम मात्रा में अधिक प्रभाव
भंडारण एवं प्रयोग करने में आसान

इफको का है यह अभियान
स्वस्थ हो धरती, खुशहाल बने किसान

इफको के नैनो उर्वरक सम्पूर्ण स्वदेशी हैं | इफको द्वारा विकसित नैनो उर्वरक, आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर कृषि की पहचान हैं

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
इफको सदन, सी-1, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत प्लेस, नई दिल्ली - 110017
दूरभाष: 91-11-26510001, 91-11-42592626 | वेबसाइट: www.iffco.in
ग्राहक सेवा हेल्पलाइन नंबर (टोल फ्री): 1800 103 1967

इफको के उत्पाद और सेवाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें और हमसे जुड़ें

चिंतन

नकारात्मक राजनीति को जनता ने नकारा

चुनाव परिणाम

डॉ. घनश्याम बादल

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम केवल सरकारों के गठन या पतन की कहानी नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र की बदलती मानसिकता, मतदाता की परिपक्वता और राजनीति के नए समीकरणों का जीवंत दस्तावेज हैं। इन चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब सत्ता केवल परंपरा, भावनाओं या जातीय समीकरणों के भरोसे नहीं चल सकती; जनता परिणाम चाहती है, विकल्प खोजती है और समय आने पर सत्ता को बेदखल करने में हिचकती नहीं। पश्चिम बंगाल के परिणाम केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि एक लंबे समय से पनप रहे असंतोष का विस्फोट हैं। वर्षों से स्थापित सत्ता के खिलाफ जनता के भीतर जो नाराजगी थी, वह इस बार निर्णायक रूप से बाहर आई है।

पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों के परिणामों से साफ है कि इस बार जनता ने नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह से नकार दिया है। इन चुनावों में रिकॉर्ड मतदान ने साफ कर दिया है कि मतदाता अब केवल नारों, आरोप-प्रत्यारोप और नकारात्मक राजनीति से प्रभावित होने वाला नहीं है, बल्कि वह ठोस काम, स्थिरता व विश्वसनीय नेतृत्व को प्राथमिकता देता है। एसआईआर के बीच हुए इन चुनावों ने स्पष्ट कर दिया है कि जनता अब जागरूक है और मतदान में बढ़ चढ़कर भाग लेती है। सबसे पहले अगर पश्चिम बंगाल की बात करें, तो यहां सत्तारूढ़ दल टीएमसी व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार हमलावर रहीं। उन्होंने हर उस काम में अड़ंगा डाला जो जनता के हक में था। चाहे वह चुनाव आयोग हो, एसआईआर का काम हो या अर्धसैनिक बल। ममता ने इन सभी को निशाना बनाया और नकारात्मक राजनीति की। इसका परिणाम यह रहा कि उनकी पार्टी अपने ही गढ़ में मात खा गई। असम और पुडुचेरी में भी भाजपा और उसके सहयोगी दलों की जीत ने सकारात्मक राजनीति की जीत और नकारात्मक राजनीति (या विपक्षी नैरेटिव) की हार का संकेत दिया है। इन दोनों राज्यों में, भाजपा ने 'सुशासन' और 'विकास' का मुद्दा उठाया, जबकि विपक्ष पर नकारात्मक एजेंडा चलाने का आरोप लगा। परिणामों से स्पष्ट है कि जनता ने विकास की राजनीति को चुना। तमिलनाडु में भी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के नेतृत्व वाली सत्ताधारी गठबंधन के लिए एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक नकारात्मक राजनीति या मतदाताओं द्वारा सत्ता विरोधी रुख के रूप में देख रहे हैं। यहां लोगों ने एम स्टालिन को नकार दिया और दक्षिण भारतीय फिल्म सुपरस्टार विजय की नई पार्टी, तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) ने चुनाव में सबको चौंकाते हुए जीत दर्ज की है। टीवीके जो पारंपरिक पार्टियों (डीएमके और एआईएडीएमके) के लिए एक नई चुनौती बनकर उभरी है। टीवीके ने गठन के मात्र दो साल में की सत्ता हासिल कर सबको चौकाया है। जनता ने सत्ता में एकाधिकार को तोड़कर एक नए विकल्प को चुना है, जिससे यह संदेश जाता है कि पारंपरिक राजनीति के खिलाफ लोग एकजुट हो रहे हैं। इसके अलावा, केरलम में भी 10 साल के शासन के बाद, जनता ने बदलाव के लिए वोट दिया, जिससे पिनाराई विजयन की एलडीएफ सरकार को करारी हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने मतदाताओं के असंतोष, नौकरी और महंगाई जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया, जिसे जनता ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। अब चुनाव जीतने वाले दलों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे जनता से किए गए वादों पर खरा उतरें और जनहित में बिना किसी भेदभाव के काम करें। इस बार देखा जा तो तमिलनाडु में टीवीके को छोड़ दें तो किसी भी राज्य में क्षेत्रीय दल को सफलता नहीं मिली है। चार राज्यों में राष्ट्रीय दलों पर ही जनता ने भरोसा जताया है। केरल में एलडीएफ की हार के साथ ही भारत में वामपंथी शासन का अंतिम और मजबूत किला भी गिर गया है। अब किसी भी राज्य में वामपंथी सरकार नहीं है। अब भाजपा और उसके सहयोगी दल (एनडीए) देश के 23 राज्यों में सत्ता में है। अंततः, चुनाव परिणामों ने यह स्थापित किया है कि भारतीय लोकतंत्र में अब 'परफॉर्मेंस पॉलिटिक्स' का दौर मजबूत हो रहा है। जनता अब सवाल पूछ रही है, काम का हिसाब मांग रही है और उसी आधार पर अपना फैसला सुना रही है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है और राजनीतिक दलों के लिए एक स्पष्ट संदेश नकारात्मकता नहीं, काम ही असली चुनावी हथियार है।

सत्ता, संदेश और बदलती राजनीति का सच

पांच महत्वपूर्ण राज्यों- पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के ताजा विधानसभा चुनाव परिणाम केवल सरकारों के गठन या पतन की कहानी नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र की बदलती मानसिकता, मतदाता की परिपक्वता और राजनीति के नए समीकरणों का जीवंत दस्तावेज हैं। इन चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब सत्ता केवल परंपरा, भावनाओं या जातीय समीकरणों के भरोसे नहीं चल सकती; जनता परिणाम चाहती है, विकल्प खोजती है और समय आने पर सत्ता को बेदखल करने में हिचकती नहीं। पश्चिम बंगाल के परिणाम केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि एक लंबे समय से पनप रहे असंतोष का विस्फोट है। वर्षों से स्थापित सत्ता के खिलाफ जनता के भीतर जो नाराजगी थी, वह इस बार निर्णायक रूप से बाहर आई। प्रशासनिक पक्षपात, कथित भ्रष्टाचार, स्थानीय स्तर पर सत्ता के केंद्रीकरण और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दों ने मतदाता को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया। दूसरी ओर, विपक्ष ने केवल विरोध नहीं किया बल्कि बूथ स्तर तक संगठन खड़ा किया, मतदाता से सीधा संवाद स्थापित किया और एक वैकल्पिक राजनीतिक कथा गढ़ी। यह जीत केवल एक दल की नहीं, बल्कि उस रणनीति की है जिसमें संगठन, विचार और मौके की सही पहचान का संगम हुआ। हालांकि अब इन चुनाव परिणाम की सच्चाई से बचने के लिए विपक्ष एस आइ आर, केंद्र द्वारा प्रशासनिक मशीनरी एवं सीबीआई तथा ईडी जैसे संस्थानों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाएगा। लेकिन बेहतर हो कि अभी तक सट्टा रोड दल उन मुद्दों पर गौर करें जिनकी वजह से बंगाल की जनता में असंतोष पनप और गलत संदेश गया।

असम में तस्वीर थोड़ी अलग है यहां सत्ता विरोध की लहर को वहां के सत्तारूढ़ नेतृत्व ने कुंद कर दिया। आमतौर पर भारतीय राजनीति में यह देखा जाता है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारें एंटी-इनकंबेंसी की शिकार हो जाती हैं, लेकिन असम में ऐसा नहीं हुआ। इसका कारण है नेतृत्व की स्पष्टता, योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन और पहचान की राजनीति का संतुलित उपयोग। सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं को केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें मतदाता के जीवन से जोड़ा। इसके साथ ही, विपक्ष की कमजोर रणनीति और बिखराव ने सत्ता पक्ष के लिए राह और आसान कर दी। यह परिणाम बताता है कि यदि नेतृत्व मजबूत हो और योजनाएं जमीन पर दिखें, तो एंटी-इनकंबेंसी को हराया जा सकता है।

पुडुचेरी का जनादेश छोटे राज्य का बड़ा संकेत है। यहां मतदाता ने स्थिरता को प्राथमिकता दी। गठबंधन की राजनीति का सफल प्रयोग यह दिखाता है कि जब स्थानीय नेतृत्व और राष्ट्रीय समर्थन का संतुलन बनता है, तब परिणाम अनुकूल हो सकते हैं। विपक्ष यहां एक स्पष्ट वैकल्पिक दृष्टि देने में विफल रहा। नतीजा यह हुआ कि मतदाता ने प्रयोग करने के बजाय स्थायित्व को चुना। यह संकेत पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है कि गठबंधन तभी सफल होता है जब उसमें स्पष्ट नेतृत्व और साझा एजेंडा हो।

अब केरल के परिणाम सत्ता के चक्र को दर्शाते हैं। यहां मतदाता ने फिर सिद्ध किया कि कोई भी दल सत्ता को स्थाई डेरा न समझे। लंबे समय तक शासन करने के बाद स्वाभाविक प्रमाद और नीतिगत असंतोष ने सरकार के खिलाफ माहौल बनाया। कांग्रेस ने इस अवसर को पहचाना, अपने संगठन को पुनर्गठित किया और जमीनी स्तर पर प्रभावी अभियान चलाया। इसके अलावा, राज्य में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का चरित्र ऐसा है कि मतदाता संतुलन बनाए रखना चाहता है। यह परिणाम कांग्रेस के लिए राहत का संकेत है, लेकिन स्थायी पुनरुत्थान का प्रमाण नहीं, बल्कि एक अवसर है जिसे उसे आगे भी साबित करना होगा।

तमिलनाडु का जनादेश इन सभी राज्यों में सबसे चौंकाने वाला और दूरगामी प्रभाव वाला है। दशकों से चली आ रही दो-दलीय राजनीति को मतदाता ने एक झटके में चुनौती दे दी। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में बदलाव का संकेत है। जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह अब विकल्प चाहती है, और यदि पारंपरिक दल उस विकल्प को देने में विफल रहते हैं, तो वह नए नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए तैयार है। करिश्माई नेतृत्व, युवा मतदाताओं का समर्थन और परंपरागत दलों के प्रति उदासीनता इन तीनों ने मिलकर एक नई राजनीतिक ताकत को जन्म दिया। यह घटना केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगी; इसका असर अन्य राज्यों की राजनीति पर भी पड़ेगा, जहां लंबे समय से एक ही तरह की सत्ता संरचना बनी हुई है।इन पांचों राज्यों के परिणामों को समग्र रूप से देखें तो एक स्पष्ट संदेश उभरता है। मतदाता अब अधिक सजग, अधिक मांग करने वाला और अधिक निर्णायक हो चुका है। वह न तो केवल वादों से प्रभावित होता है और न ही केवल भावनात्मक अपील से। उसे ठोस काम चाहिए, स्पष्ट नेतृत्व चाहिए और विकल्प चाहिए। यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, क्योंकि यह राजनीतिक दलों को जवाबदेह बनाता है। राष्ट्रीय राजनीति के स्तर पर इन परिणामों का प्रभाव गहरा होगा। एक ओर जहां सत्ताधारी दल इस परिणाम से उत्साहित होकर अगले वर्ष होने वाले उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के चुनाव में भी जीत का परचम लहराने के लिए हर संभव रणनीति अपनाएगा, वहीं विपक्ष को भी यह संदेश मिला है कि यदि वह संगठित हो, रणनीति स्पष्ट रखे और जमीनी मुद्दों को उठाए, तो वह वापसी कर सकता है। साथ ही, क्षेत्रीय और नए दलों का उभार यह दिखाता है कि भारतीय राजनीति अब बहुध्रुवीय होती जा रही है। यह प्रवृत्ति आने वाले लोकसभा चुनावों को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना सकती है। इसके अलावा, इन चुनावों ने यह भी साबित किया है कि डिजिटल मीडिया, सोशल प्लेटफॉर्म और जमीनी अभियानों का संतुलित उपयोग अब चुनावी सफलता का नया सूत्र बन चुका है। मतदाता तक सीधी पहुंच, पारदर्शिता और त्वरित संवाद ने राजनीतिक दलों की कार्यशैली को बदल दिया है। अब केवल बड़े मंचों की रैलियां ही नहीं, बल्कि छोटे-छोटे संवाद, स्थानीय मुद्दों पर फोकस और विश्वसनीयता की छवि भी निर्णायक भूमिका निभा रही है। अस्तु, कहना गलत नहीं होगा कि 2026 के ये चुनाव भारतीय लोकतंत्र के "परिपक्वता चरण" का संकेत हैं। यहां मतदाता ने सत्ता को संदेश दिया है काम करो, वरना जाओ। यह संदेश जितना सरल है, उतना ही कठोर भी। अब राजनीति में टिके रहने के लिए केवल नारे नहीं, परिणाम देने होंगे; चेहरे नहीं, विश्वसनीयता चाहि। यही इस जनादेश का सार है व यही भविष्य की राजनीति की दिशा भी तय करेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

जन्मदिन

डॉ. प्रभलीन सिंह

राष्ट्रसेवा में समर्पित जननायक मनोहर लाल

मनोहर लाल के जन्मदिन के अवसर पर, मैं उनके दृढ़ निश्चय और अटूट नेतृत्व के सफर पर विचार करना चाहता हूं। मनोहर लाल अपने राष्ट्रप्रथम-राष्ट्र सर्वोपरि के दृष्टिकोण के कारण सारे देशवासियों के लिए अनुकरणीय शख्सियत हैं। लम्बे समय से वह अपना जन्मदिन भव्य समारोहों के बजाय आध्यात्मिक और सामुदायिक गतिविधियों के साथ मनाते हैं। उन्होंने अपने सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन से अनगिनत लोगों को प्रेरणा दी है। विशेषकर युवाओं को, उन्होंने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर देश के हित में स्वयं को समर्पित करने की सीख दी है। वे अनुशासन, सेवा और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का एक जीता-जागता उदाहरण हैं। हरियाणा के एक साधारण किसान परिवार से अपने जीवन की शुरुआत करने वाले मनोहर का जीवन सादगी और परिश्रम पर आधारित रहा है। जमीनी हकीकतों से उनका शुरुआती परिचय ही उन्हें आम आदमी के संघर्षों और आकांक्षाओं की गहरी समझ प्रदान करता है।

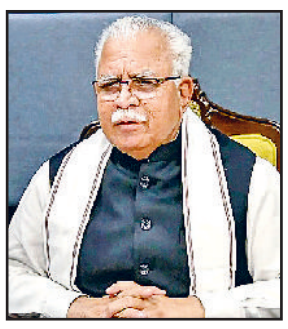

उनकी विशेषता यह है कि उन्होंने सफलता के शिखर पर पहुंचने के लिए प्रसिद्धि की लालसा के बजाय सादगी और सरलता का मार्ग चुनना पसंद किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव ने उनके चरित्र की नींव रखी। प्रचारक के अनुशासित और निस्वार्थ जीवन को चुनकर उन्होंने सेवा और त्याग के मूल्यों को आत्मसात किया। इन प्रारंभिक वर्षों ने उनके जीवन भर के वैराग्य और एक व्यापक उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्धता के दर्शन को आकार दिया। साल 1994 में भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से सार्वजनिक जीवन में हुआ उनका प्रवेश एक नए अध्याय की शुरुआत थी। उनकी संगठनात्मक क्षमता और दूरदर्शिता ने शासन को बड़े स्तर पर प्रभावित किया। लगातार दो कार्यकाल तक हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रशासनिक दक्षता को नई परिभाषा दी। मैंने देखा है कि राज्य को उनकी जन-कल्याणकारी नीतियों जैसे पारदर्शी प्रणाली, ऑनलाइन तबादलों, योग्यता और मैरिट आधारित भर्ती से आमजन को कितना लाभ हुआ है। उनके कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने जनता का शासन में विश्वास बहाल किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हर सरकारी स्कीम का लाभ हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचे। मनोहर की 10 साल की पारदर्शी जन स्कीमों की बदौलत हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री के रूप में शहरी जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उनके प्रयास भी सराहनीय हैं। चाहे वह शहरी बाढ़ से निपटना हो, मेट्रो परियोजनाओं और स्मार्ट शहरों को गति देना हो या लाखों लोगों को घर उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री आवासयोजना-शहरी को आगे बढ़ाना हो। इन सभी क्षेत्रों में मनोहर के द्वारा पूरी निष्ठा से अभूतपूर्व कार्य किया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन में उनके नेतृत्व ने पहले ही सैकड़ों कचरा स्थलों को उपयोगी भूमि में बदल दिया है। यह चुनौतियों को अवसरों में बदलने के उनके विश्वास को दर्शाता है। उनका मुख्य उद्देश्य आत्मनिर्भर और टिकाऊ ऊर्जा क्षेत्र का निर्माण करना और संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में अवसंरचना परियोजनाओं का प्रबंधन करना है। मनोहर मोदी 3.0 मंत्रिमंडल के एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं और भारत के तीव्र अवसंरचना विस्तार, ऊर्जा परिवर्तन और शहरी विकास पहलों के प्रबंधन में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। वे समर्पण की जीती जागती मिसाल हैं। तकरीबन 10 साल के मुख्यमंत्री कार्यकाल में जो सैलरी मिली, वो उन्होंने पद छोड़ने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री रिलीफ फंड में सारा पैसा देश के विकास हेतु जमा करवा दिया। गांव का घर, स्कूल को और लाइब्रेरी बनाने के लिए दान में दे दिया । अपने हिस्से की 1.5 एकड़ जमीन भी बेचकर जो पैसा मिला उसे भी प्रधानमंत्री रिलीफ फंड में जमा करवा दिया। आज के युग में ऐसे समर्पण वाले इंसान बहुत कम मिलते हैं। उनकी जो बात सबसे अलग बनाती है, वह है उनका संदेश दुनिया के लिए खुद को ज़रूरी बनाओ-दुनिया तुम्हारा ख्याल रखेगी। यह इस बात का सशक्त संदेश है कि निस्वार्थ योगदान ही सफलता का सर्वोच्च रूप है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गुणों के विकास से आध्यात्मिक स्वास्थ्य संभव

संकलित

दर्शन

हमारे पास एक शरीर है, हमें उसका पोषण करना है और जब वह रोगग्रस्त हो जाता है, तब हमें उसकी देखभाल करनी है। हमें उसके आरोग्य का उपाय ढूंढ़ना है और जीवन के भौतिक पक्ष से जुड़े सभी विषयों पर ध्यान देना है, परंतु बात यह है कि प्रायः मानव जाति केवल यहीं पर रुक जाती है। उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हमारे अस्तित्व का एक मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और उच्चतर आध्यात्मिक आयाम भी है। इसलिए सफलता का उनका (परमहंसजी का) मार्ग था उचित संतुलन को प्राप्त करना। वहां, जहां आप भौतिक सफलता और समृद्धि प्राप्त करते हैं। जहां आपके पास भावनात्मक संतुलन और आंतरिक शांति होती है। आध्यात्मिक रूप से आपके पास एक उच्चतर उद्देश्य के लिए अपने जीवन को संचालित करने का ज्ञान होता है, न केवल धन एकत्र करना और परिवार व संतानों की उपलब्धि, अपितु यह अनुभव करने का एक उच्चतर उद्देश्य कि मैं ईश्वर का एक स्फुलिंग हूं, मैं इस भौतिक शरीर में निवास करने वाला आत्मा हूं और अपने जीवन के सभी पक्षों में ईश्वर के पूर्ण साक्षात्कार और अभिव्यक्ति की प्राप्ति ही मेरा अंतिम उद्देश्य है। एक बार जब आप यह धारणा बना लेते हैं, तो जीवन अत्यंत रोमांचक हो जाता है, क्योंकि सब प्रकार के कौशल, क्षमताएं और योग्यताएं आपके लिए उपलब्ध हैं। ये प्रत्येक मनुष्य की अक्षय निधि का अंग हैं, परंतु वे तब तक पूर्ण रूप से निष्क्रिय रहती हैं, जब तक उन्हें सचेतन एकाग्रता और सचेतन प्रयास के द्वारा जाग्रत नहीं किया जाता है।

क्या आपकी दुकान में ईश्वर मिलेंगे?

संकलित

प्रेरणा

आठ साल का एक बच्चा एक रुपए का सिक्का मुट्ठी में लेकर एक दुकान पर जाकर कहा- क्या आपके दुकान में ईश्वर मिलेंगे?दुकानदार ने यह बात सुनकर सिक्का नीचे फेंक दिया और बच्चे को निकाल दिया। बच्चा पास की दुकान में जाकर 1 रुपए का सिक्का लेकर चुपचाप खड़ा रहा! लेकिन, उस अबोध बालक ने हार नहीं मानी। एक दुकान से दूसरी दुकान, दूसरी से तीसरी, ऐसा करते करते कुल चालीस दुकानों के चक्कर काटने के बाद एक बूढ़े दुकानदार के पास पहुंचा। उस बूढ़े दुकानदार ने पूछाः तुम ईश्वर को क्यों खरीदना चाहते हो? क्या करोगे ईश्वर लेकर? बच्चे ने बड़े उत्साह से उत्तर दियाः इस दुनिया में मां के अलावा मेरा और कोई नहीं है। मेरी मां दिनभर काम करके मेरे लिए खाना लाती है। मेरी मां अब अस्पताल में हैं। अगर मेरी मां मर गई तो मुझे कौन खिलाएगा ? डाक्टर ने कहा है कि अब सिर्फ ईश्वर ही तुम्हारी मां को बचा सकते हैं। क्या आपके दुकान में ईश्वर मिलेंगे? दुकानदार- हां, मिलेंगे! कितने पैसे हैं तुम्हारे पास? बच्चाः सिर्फ एक रुपए। बच्चे की मां का ऑप्रेशन हुआ। और बहुत जल्द ही वह स्वस्थ हो उठीं। डिस्चार्ज के कागज पर अस्पताल का बिल देखकर उस महिला के होश उड़ गए। डॉक्टर ने उन्हें आश्वासन देकर कहाः टेंशन की कोई बात नहीं है। एक वृद्ध सज्जन ने आपके सारे बिल चुका दिए हैं। साथ में एक चिट्ठी भी दी है। महिला चिट्ठी खोलकर पढ़ने लगी, उसमें लिखा था, मुझे धन्यवाद देने की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको तो स्वयं ईश्वर ने ही बचाया है.. मैं तो सिर्फ एक जरिया हूं।

अंतर्मन

आज की पाती

देश के उन जिलों को पीएनजी से जोड़ें, जहां बिछ चुकी पाइपलाइन

भारत सरकार के सबसे बड़े उपक्रम, गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा एक अनुमान के तहत देश में 16,000 किलोमीटर से अधिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, गेल द्वारा 2,000 किलोमीटर से अधिक एलपीजी गैस पाइपलाइन का भी संचालन किया जाता है। गेल इंडिया लिमिटेड के माध्यम से देश के 22 राज्यों के लगभग 90 से अधिक जिलों में गैस पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, जिसके जरिए सीएनजी, एलपीजी तथा कुछ जिलों में पीएनजी गैस की आपूर्ति भी की जा रही है। यदि भारत सरकार उन राज्यों के जिलों में, जहां से गैस पाइपलाइन गुजरती है, राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित कर जिला एवं तहसील मुख्यालयों को पाइपयुक्त प्राकृतिक गैस (पीएनजी) से जोडने की दिशा में ठोस पहल करे तो आमजन को राहत मिलेगी।

– रविंद्र जोशी, कलानौर

ट्रेंड

जनता ने सबक सिखाया

बंगालवासियों ने घुसपैठियों, उनके हितैषियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली पार्टियां भूल नहीं पाएंगी। जिन आशाओं के साथ मोदी जी के नेतृत्व पर विश्वास जताया है, हम निश्चित रूप से उन्हें पूरा करेंगे। -अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

ब्रांड दूत बनें खिलाड़ी

खिलाड़ी 'नशा मुक्त अभियान' के ब्रांड दूत के तौर पर काम करें और युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेलों को अपनाने के लिए प्रेरित करें। इससे युवा पीढ़ी नशे से दूर रहेगी। आप भारत की नई पीढ़ी के आदर्श हैं। आपकी अपील युवाओं को सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करेगी।

-मनोज सिन्हा, उपराज्यपाल, जम्मू-कश्मीर

बंगाल के लोगों का धन्यवाद

जहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ, वह बंगाल हमारा है। पश्चिम बंगाल की देशभक्त जनता को विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश के लिए हृदय से कोटि-कोटि धन्यवाद। यह जनादेश राष्ट्रवाद और विकास के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक है। -सम्राट चौधरी, सीएम बिहार

विश्वास पर खरा उतरेंगे

कांग्रेस केरल की जनता को हार्दिक धन्यवाद देती है कि उन्होंने यूडीएफ को भारी बहुमत से सेवा का मौका दिया है। हमारी जिम्मेदारी हम पहचानते हैं और केरल की जनता ने जो विश्वास हम पर जताया है, हम उस पर खरा उतरेंगे।

-जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव

करंट अफेयर

अटलांटिक में क्रूज पर संदिग्ध हंता वायरस का प्रकोप

अटलांटिक महासागर में एक क्रूज जहाज पर संदिग्ध हंता वायरस के प्रकोप के कारण एक बुजुर्ग दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम तीन अन्य के बीमार होने की सूचना है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन और दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मामले की जांच जारी है और कम से कम एक मामले में हंता वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की इस स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती है, जबकि जहाज पर इसके लक्षण वाले दो अन्य मरीजों को वहां से निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

क्रूज का संचालन करने वाली नीदरलैंड की कंपनी के मुताबिक, जहाज फिलहाल अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित द्वीपीय देश केप वर्डे के पास खड़ा है। स्थानीय प्रशासन सहायता कर रहा है, लेकिन किसी को भी जहाज से उतरने की अनुमति नहीं दी गई है। कंपनी के अनुसार, बीमार लोगों में शामिल चालक दल के दो सदस्यों को तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि क्रूज पर 150 पर्यटक सवार थे।

ऑफ बीट

कैंसर के अंतिम चरण में मरीज हो जाते हैं उदासीन

कैंसर के अंतिम चरण का एक क्रूर परिणाम यह है कि कई मरीज गहरी उदासीनता में डूब जाते हैं, क्योंकि वे उन गतिविधियों में भी रुचि खो देते हैं जिन्हें वे कभी पसंद करते थे। यह लक्षण दुर्बलता नामक सिंड्रोम का हिस्सा है, जो अंतिम चरण के लगभग 80 प्रतिशत कैंसर रोगियों को प्रभावित करता है। इससे मांसपेशियां बड़े पैमाने पर खत्म होने लगती हैं और वजन घटने लगता है, जिससे पर्याप्त पोषण के बावजूद मरीज की हड्डियां पतली हो जाती हैं। हौंसला पस्त होने से न केवल रोगियों की पीड़ा बढ़ती है, बल्कि उन्हें परिवार और दोस्तों से भी अलग कर देती है। चूंकि, रोगी को कठिन उपचार पद्धतियों को अपनाने में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है इसलिए इससे परिवारों पर भी दबाव पड़ता है और उपचार जटिल हो जाता है। डॉक्टर आमतौर पर यह मानते हैं कि जब कैंसर के अंतिम चरण के मरीज जीवन से विमुख हो जाते हैं, तो यह शारीरिक गिरावट के प्रति एक अपरिहार्य मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया होती है। कैंसर से उत्पन्न कमजोरी में उदासीनता की पहेली को सुलझाने के लिए, हमें शरीर में सूजन के सटीक मार्ग का पता लगाने की आवश्यकता थी, तथा रोग के बढ़ने के दौरान जीवित मस्तिष्क के अंदर झांकने की आवश्यकता थी – जो कि लोगों में लगभग असंभव है।

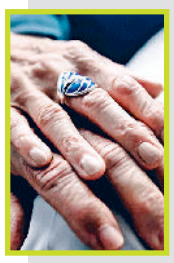

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	9	6	2	13
बेंगलुरु	9	6	3	12
हैदराबाद	10	6	4	12
राजस्थान	10	6	4	12
गुजरात	10	6	4	12
चेन्नई	9	4	5	8
दिल्ली	9	4	5	8
कोलकाता	9	3	5	7
मुंबई	10	3	7	6
लखनऊ	9	2	7	4

ऑरेंज कैप

अभिषेक शर्मा
440 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
17 विकेट
बेंगलुरु

आरसीबी को झटका, इंग्लैंड लौटे ओपनर सॉल्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट पिछले महीने उंगली में लगी चोट का स्कैन कराने के लिए इंग्लैंड लौट गए हैं। इस चोट के कारण साल्ट आरसीबी के पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे।

उनकी जगह उनके हमवतन जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ पारी का आगाज किया। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी 18 अप्रैल को चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर बाउंड्री बचाने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गया था। उनकी बाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी।

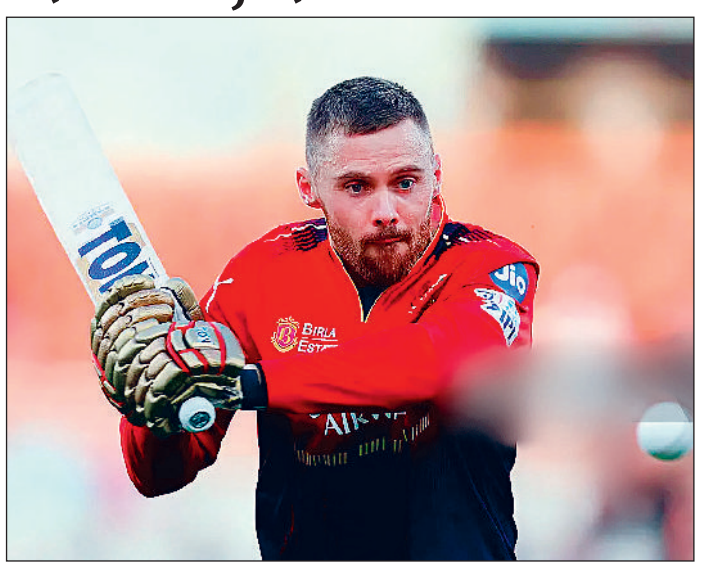

किया गया उंगली का स्कैन

रिपोर्ट के अनुसार, 'ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से अनुबंधित साल्ट इंग्लैंड के टीम प्रबंधन के अनुरोध पर स्वदेश लौट गए हैं और उनकी उंगली का स्कैन किया गया है।' रिपोर्ट के अनुसार आरसीबी और साल्ट दोनों को उम्मीद है कि वह जल्द फिट हो जाएंगे और वह इस महीने बाद में भारत लौट सकते हैं। साल्ट ने मौजूदा आईपीएल में छह पारियों में 168.33 के स्ट्राइक रेट से 202 रन बनाए थे। आरसीबी फिलहाल पंजाब किंग्स के बाद अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसका अगला मुकाबला गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा।

निगार सुल्ताना ने जमीन पर पटका बल्ला, आईसीसी ने लिया बड़ा एक्शन

दुबई। बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना जोटी को सिलहट में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे महिला टी20 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बताया कि बांग्लादेश की कप्तान ने अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन किया है, जो 'किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फिक्स्चर और फिटिंग का गलत इस्तेमाल' करने से संबंधित है।

श्रीलंका ने सीरीज अपने नाम की

मैच की बात करें तो श्रीलंका ने बारिश से प्रभावित तीसरे टी20 मैच में बांग्लादेश को तीन रनों से हराकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापथु ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिलाई। उन्होंने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए और फिर गेंदबाजी में 2/15 का प्रदर्शन किया।

आईपीएल: मुंबई का सबसे बड़ा रन चेज

रोहित-रिकेल्टन के तूफान में उड़े सुपर जाइंट्स, इंडियन्स छह विकेट से जीता

भाषा ▶▶|मुंबई

सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग की तालिका की सबसे निचले पायदान की दो टीम के बीच हुए मुकाबले में सोमवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स को छह विकेट से हराकर नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा। इस जीत से मुंबई के 10 मैच में तीन जीत से छह अंक हो गए हैं और टीम नौवें स्थान पर बनी हुई है। सुपर जाइंट्स की टीम लगातार छठी हार के बाद नौ मैच में चार अंक के साथ 10वें और अंतिम पायदान पर है। सुपर जाइंट्स के 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स ने चोट के बाद वापसी कर रहे रोहित (84 रन, 44 गेंद, छह चौके, सात छक्के) और रिकेल्टन (83 रन, 32 गेंद, छह चौके, आठ छक्के) के बीच पहले विकेट की 143 रन की तूफानी साझेदारी की बदौलत आठ गेंद शेष रहते चार विकेट पर 229 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। निकोलस पूरन (63 रन, 21 गेंद, आठ छक्के, एक चौका) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा सलामी बल्लेबाज मिचेल (44 रन, 25 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़े जिससे सुपर जाइंट्स ने पांच विकेट पर 228 रन बनाए।

लखनऊ-228/5 (20)

खिलाड़ी	रन
मिचेल का नमन बो बॉश	44
जोश का सूर्यकुमार बो गजनफर	13
निकोलस का रिकेल्टन बो बॉश	63
ऋषभ पंत का रिकेल्टन बो जैक्स	15
एडेन मारक्रम नाबाद	31
अक्षत रघुवंशी का एवं बो रघु	11
हिम्मत सिंह नाबाद	40
अतिरिक्तः 11	
कुलः 20 ओवर में पांच विकेट परः 228 रन	
विकेट पतनः 1-29, 1-123, 3-125, 4-148, 5-160	
गेंदबाजीः चाहर 4-0-43-0, बुमराह 4-0-45-0, गजनफर 4-0-50-1, जैक्स 2-0-34-1, बॉश 2-0-20-2, रघु 4-0-36-1	

मुंबई-229/4 (18.4)

खिलाड़ी	रन
रेयान का इंग्लिस बो मोहसिन	83
रोहित शर्मा का शमी बो सिद्धार्थ	84
तिलक का मारक्रम को सिद्धार्थ	11
सूर्यकुमार का पूरन बो शमी	12
नमन धीर नाबाद	23
विल जैक्स नाबाद	10
अतिरिक्तः 06	
कुलः18.4 ओवर में चार विकेट परः 229 रन	
विकेट पतनः 1-143, 2-177, 3-189, 4-213	
गेंदबाजीः शमी 4-0-53-1, मोहसिन 4-0-47-1, प्रिंस 3-0-24-0, आवेश 3.4-056-0, सिद्धार्थ 4-0-47-2	

घर में जीत की राह तलाशेगी कैपिटल्स

■ आज शाम 7.30 बजे से अक्षर और रुतुराज की टीमों के बीच अहम मुकाबला

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स को अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन हार झेलने के सिलसिले को खत्म करने के लिए मंगलवार को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले मैच में खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली और चेन्नई दोनों टीम के 9 मैचों में आठ-आठ अंक हैं। अब जबकि उनके 5 मैच बचे हुए हैं तब छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है। दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार तीन हार के बाद शुक्रवार को जयपुर में खेले गए मैच में महत्वपूर्ण जीत हासिल की। उसने इससे पहले जो तीन मैच गंवाए थे उनमें से दो हार उसे घरेलू मैदान पर मिलीं थी। कोटला में पंजाब किंग्स के खिलाफ उसकी टीम 264 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाई थी जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उसके बल्लेबाज नहीं चल पाए थे। इससे पहले दिल्ली को कोटला में गुजरात टाइटंस से भी एक रन से हार का सामना करना पड़ा था।

इंटर मिलान ने 21वीं बार जीता इटालियन लीग का खिताब

इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराया

एजेंसी ▶▶| मिलान

इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन दौर के मैच शेष रहते ही इटालियन लीग फुटबॉल टूर्नामेंट सीरी ए का खिताब अपने नाम कर लिया। इंटर मिलान को ट्रॉफी हासिल करने के लिए केवल एक ड्रॉ की जरूरत थी। उसने परमा पर जीत से 2025 के चैंपियन और दूसरे स्थान पर काबिज नेपोली पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। यह इंटर मिलान का 21वां सीरी ए खिताब है। वह सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में युवेंटस (36) के बाद दूसरे स्थान पर है। इंटर मिलान की तरफ से पहला गोल पहले हाफ में मार्कस थुरम ने किया जबकि 37 वर्षीय हेनरिक मखितार्यान ने 80वें मिनट दूसरा गोल दागा। इस सत्र में दो ट्रॉफियां जीतने की दौड़ में शामिल इंटर मिलान 10 दिनों में इटालियन कप के फाइनल में लाजियो का सामना करेगा।

स्पेनिश लीग : रियाल मैड्रिड ने एस्पेनयोल को हराया, बार्सिलोना का बढ़ा इंतजार

मैड्रिड। विनीसियस जूनियर (55वें और 66वें मिनट) ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे रियाल मैड्रिड ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर बार्सिलोना का लगातार दूसरी बार स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा का खिताब जीतने का इंतजार बढ़ा दिया। बार्सिलोना ने ओसासुना को 2-1 से हराकर रियाल मैड्रिड पर 14 अंकों की बढ़त बना ली थी। रियाल मैड्रिड अगर एस्पेनयोल से नहीं जीत पाता तो बार्सिलोना 29वां लीग खिताब अपने नाम कर देता। बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के बीच अब 11 अंक का अंतर रह गया है। अब जबकि इस प्रतियोगिता में चार दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं तब बार्सिलोना 34 मैच में 88 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 77 अंक हैं। इन दोनों टीमों के बीच अब इस सप्ताह के आखिर में मैच खेला जाएगा जिसमें जीत दर्ज करने पर बार्सिलोना चैंपियन बन जाएगा।

खबर संक्षेप

पेशावर ने जीता पीएसएल का खिताब

लाहौर। आरोन हार्डी के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर पेशावर जाल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को फाइनल में 5 विकेट से हराकर 2017 के बाद पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता। हार्डी ने 27 रन देकर चार विकेट लिए, जिससे पेशावर ने हैदराबाद को 18 ओवर में केवल 129 रन पर आउट कर दिया। पेशावर की तरफ से साइम अयूब (54) ने जुझारू अर्धशतक बनाया। इसके बाद हार्डी ने 39 गेंदों पर 56 रन की नाबाद पारी खेली।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप

जापान की कड़ी चुनौती के लिए तैयार भारत

एजेंसी ▶▶| सुजोऊ

भारत को मंगलवार को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप 2026 फुटबॉल टूर्नामेंट में जापान की मजबूत टीम के रूप में कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। भारत अपनी शुरुआती हार से उबरकर टूर्नामेंट में वापसी की उम्मीद कर रहा है। भारतीय टीम ग्रुप बी के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से 0-2 से हार गई थी। अब वे ऐसी स्थिति में हैं, जहां हर गोल मायने रखेगा, विशेषकर तब जब जापान ने लेबनान को 13-0 से हराकर तीन अंक हासिल कर लिए हैं। महिला फुटबॉल की तकनीकी रूप से सबसे बेहतरीन टीम में से एक जापान इस मुकाबले में अपना शानदार इतिहास लेकर उतर रहा है। उसने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के 9 टूर्नामेंट में सात बार फाइनल में जगह बनाई है और चार बार खिताब जीता है। इस एशियाई दिग्गज टीम ने 2014 में फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का खिताब जीतकर वैश्विक स्तर पर भी अपना दबदबा साबित किया था।

दीक्षा, त्वेसा और हिताशी का निराशाजनक प्रदर्शन

लेडीज क्लासिक में नीचे खिसकी भारतीय तिकड़ी

एजेंसी ▶▶| सपोर्ट लुईस

दीक्षा डागर, त्वेसा मलिक और हिताशी बख्शी की भारतीय तिकड़ी को 2026 एमसीबी लेडीज क्लासिक मॉरीशस गोल्फ के अंतिम दौर में खराब प्रदर्शन के कारण तालिका में नीचे खिसकना पड़ा।

शुरुआती दो दौर में 68-69 के स्कोर के साथ अच्छी स्थिति में रही दीक्षा तीसरे दौर में 74 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 21वें स्थान पर रहीं। दीक्षा ने नौवें होल पर सिर्फ एक बर्डी लगाई और पहले, दसवें तथा पंद्रहवें होल पर बोगी कर बैठीं। त्वेसा 70-71 के स्कोर के बाद 73 का कार्ड खेलकर संयुक्त 38वें स्थान पर रहीं।

लय गंवा बैठीं हिताशी

हिताशी ने पहले दो दिनों में 71-69 के स्कोर के साथ अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तीसरे दिन लय गंवा बैठीं। वह 76 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 58वें स्थान पर खिसक गईं। डेनमार्क की स्मिला टार्निंग सोंडरबी ने अंतिम होल पर बर्डी लगाकर लेडीज यूरोपियन टूर (एलईटी) पर अपना दूसरा खिताब जीता।

डब्ल्यूटीए 1000 खिताब

मार्टा ने हासिल की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग सबालेंका के बराबर पर पहुंची

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

मार्टा कोस्त्युक ने कॅरियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीत लिया। क्ले कोर्ट पर शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने ताजा डब्ल्यूटीए रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 15वीं रैंकिंग भी हासिल की। कोस्त्युक ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक सेट गंवाया। इससे पहले वह 2026 सीजन में ब्रिस्बेन के फाइनल तक भी पहुंची थीं। मैड्रिड में मिली यह जीत उनके करियर का तीसरा खिताब और लगातार दूसरा खिताब है, जो साल की शुरुआत में चोट से प्रभावित अभियान के बाद उनकी शानदार वापसी को दर्शाता है। खास बात यह है कि इस सीजन वह टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ पांच जीत दर्ज कर चुकी हैं। इस मामले में वह एरिना सबालेंका की बराबरी पर हैं और सिर्फ एलेना रायबाकिना से पीछे हैं।

एंड्रीवा को रैंकिंग में फायदा

टीन सेंसेशन मीरा एंड्रीवा को भी रैंकिंग में काफी फायदा हुआ। मैड्रिड में उपविजेता रहने के बाद वह वर्ल्ड नंबर 7 पर पहुंच गईं। यह उनका तीसरा डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल और क्ले कोर्ट पर पहला फाइनल था। वहीं, इगा स्वियातेक बीमारी के कारण टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने के बावजूद टॉप 3 में वापस जगह बनाने में कामयाब रहीं।

अंजलि ने 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। राजस्थान की अंजलि शेखावत ने सोमवार को यहां 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। अंजलि क्वालीफिकेशन में 576 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही थी। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 240.5 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। हरियाणा की कनक बुधवार ने 238.7 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता जबकि पंजाब की अगम रंजीत कौर ग्रेवाल ने 216 के स्कोर से कांस्य पदक हासिल किया। क्वालीफिकेशन दौर में तेलंगाना की ओलंपियन ईशा सिंह 582 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं थी। हालांकि ईशा सिंह और मध्य प्रदेश की महिमा तुहीं अग्रवाल ने फाइनल में हिस्सा नहीं लिया। तुहीं ने 575 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई किया था।

24 मई से पेरिस में शुरू होगी स्पर्धा

फ्रेंच ओपन पुरस्कार राशि: जोकोविच, सिनर-एरीना नाखुश

एजेंसी ▶▶|पेरिस

नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, एरीना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि को लेकर 'अपनी गहरी निराशा' व्यक्त की है। यह क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता इस महीने के आखिर में पेरिस में शुरू होगी। खिलाड़ियों का कहना है कि उनकी कुछ अन्य मांगें भी हैं, जिन पर आयोजकों ने ध्यान नहीं दिया है। इनमें बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य और पेंशन शामिल हैं। खिलाड़ियों की यह मांग तब आई जब फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि रोलां गैरां पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में लगभग 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है, जिससे कुल पुरस्कार राशि 61.7 मिलियन यूरो (72.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.3 मिलियन यूरो अधिक है।

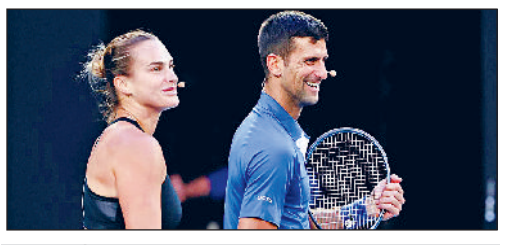

चैंपियन को मिलेंगे 28 लाख यूरो

शीर्ष खिलाड़ियों ने कहा, 'फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट के राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 2024 में 15.5 प्रतिशत से घट गई है और 2026 में इसके 14.9 प्रतिशत रहने की संभावना है।' फ्रेंच ओपन 24 मई से शुरू होगा। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उपविजेता खिलाड़ियों को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वालों को सात लाख 50 हजार यूरो जबकि पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को 87000 यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल विजेताओं को 6 लाख यूरो और मिश्रित युगल चैंपियन को 1 लाख 22 हजार यूरो मिलेंगे।

पुरस्कार राशि में केवल 5.4 प्रतिशत वृद्धि

खिलाड़ियों ने कहा, 'असली आंकड़े बिल्कुल अलग कहानी बयां करते हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों के अनुसार फ्रेंच ओपन ने 2025 में 395 मिलियन यूरो का राजस्व प्राप्त किया, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक था। इसके बावजूद पुरस्कार राशि में केवल 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस तरह से खिलाड़ियों का राजस्व में हिस्सा घटकर 14.3 प्रतिशत रह गया है।'

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला (एचएमएससीएल)	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार दो वर्षीय दर अनुबंध पर लैमिनार एयर फ्लो बैंचटॉप की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा।	04.05.2026 18.05.2026	रु.2,50,00,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com
2	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला (एचएमएससीएल)	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार दो वर्षीय दर अनुबंध पर पोर्टेबल हैंड हैल्ड ट्यूब सीलर सहित गन की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा।	04.05.2026 18.05.2026	रु.15,00,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com
3	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड पंचकूला (एचएमएससीएल)	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार दो वर्षीय दर अनुबंध पर डिजिटल एनालाइटिकल बैलेंस की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा।	04.05.2026 18.05.2026	रु.22,50,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 equipmentdgm2020@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in संवाद-13/2027/80/44917/I/88/6 दि. 04.05.26

खबर संक्षेप

अमेरिका ने चालक दल को पाकिस्तान पहुंचाया

इस्लामाबाद। अमेरिका ने अपने सुरक्षा बलों द्वारा जब्त किए गए एक ईरानी जहाज पर हिरासत में रखे गए चालक दल के 22 सदस्यों को विश्वास-बहाली उपाय के तहत पाकिस्तान भेज दिया है। विदेश कार्यालय ने सोमवार एक बयान में जानकारी दी। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार समूह के जहाज 'एमवी टौस्का' को 19 अप्रैल को ओमान की खाड़ी में ईरान के चाबहार बंदरगाह के तट पर अमेरिकी सेना ने अपने कब्जे में ले लिया। इस जहाज पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखे हैं।

ओक्लाहोमा सिटी के पास गोलीबारी, 12 घायल

वॉशिंगटन। ओक्लाहोमा सिटी के पास एक झील पर आयोजित पार्टी में रविवार रात हुई गोलीबारी में कम से कम 12 लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। । मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार रात करीब नौ बजे आर्केडिया झील के पास युवाओं के एक जमावड़े में गोली चलने की सूचना मिली। उन्होंने रविवार देर रात बताया कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट रूप से बेहद भयावह स्थिति है और हम जनता तथा प्रभावित लोगों की चिंता को समझते हैं। हम संदिग्धों का पता लगाने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं।

केन्या में बाढ़ से 18 लोगों की मौत

नैरोबी। केन्या में लगातार जारी भारी बारिश के कारण हाल ही में आई बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार अधिकतर लोगों की मौत डूबने से हुई है। देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं।

फंसे वाणिज्यिक जहाजों की मदद के लिए एक नई पहल की घोषणा

होर्मुज में फंसे जहाजों के लिए 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का ऐलान, ट्रंप बोले- दखल दिया तो पूरे दम से निपटेंगे

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे वाणिज्यिक जहाजों की मदद के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसका नाम 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' रखा है। ट्रंप ने दावा किया है कि यह पहल दुनिया भर के उन देशों के लिए है, जिन्होंने अमेरिकी सहायता मांगी है ताकि वे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से अपने जहाजों को सुरक्षित निकाल सकें। डोनाल्ड ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में बताया कि दुनिया भर के कई देशों ने अमेरिका से होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे अपने जहाजों को सुरक्षित निकालने में मदद करने का अनुरोध किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये देश पश्चिम एशिया में चल रहे विवाद में किसी भी तरह से शामिल नहीं हैं।

फाइल फोटो

जहाजों को निकालेंगे बाहर : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ईरान, पश्चिम एशिया और अमेरिका के हित में, हमने इन देशों को सूचित किया है कि हम उनके जहाजों को इन प्रतिबंधित जलमार्गों से सुरक्षित रूप से बाहर निकालेंगे, ताकि वे स्वतंत्र रूप से अपना व्यवसाय कर सकें।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया संघर्ष को हल करने के उद्देश्य से ईरान द्वारा पेश किए गए नए प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार ट्रंप ने कहा- यह मेरे लिए नाकाफी है। मैंने इसे पढ़ा है और यह अस्वीकार्य है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया मानवीय प्रयास

ट्रंप ने इस पहल को एक मानवीय प्रयास बताया, जिसका उद्देश्य चालक दल और वाणिज्यिक शिपिंग की सुरक्षा करना है। उन्होंने कहा, यह अमेरिका, पश्चिम एशियाई देशों और विशेष रूप से ईरान की ओर से एक मानवीय इशारा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई जहाजों में भोजन और अन्य आवश्यक सामग्री की कमी हो रही है, जो बड़े चालक दल के सदस्यों के लिए स्वस्थ और स्वच्छ तरीके से वहां रहने के लिए जरूरी है।

सोमवार से शुरू हुआ अभियान

'प्रोजेक्ट फ्रीडम' के तहत जहाजों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया सोमवार सुबह (पश्चिम एशियाई समय) से शुरू हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनके प्रतिनिधि ईरान के साथ बहुत सकारात्मक चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कदम उन लोगों, कंपनियों और देशों को मुक्त करने के लिए है जिन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने कहा कि ये लोग परिस्थितियों के शिकार हैं।

दखलंदाजी पर दी सख्त चेतावनी

राष्ट्रपति ट्रंप ने इस मानवीय प्रक्रिया में किसी भी तरह की दखलंदाजी के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा, अगर किसी भी तरह से इस मानवीय प्रक्रिया में बाधा डाली जाती है, तो दुर्भाग्य से उस हस्तक्षेप से बलपूर्वक निपटना होगा।

कालाबाजारी पर नियंत्रण के लिए अभियान जारी

विशाखापत्तनम में 13 मई को गैस टैंकर के पहुंचने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कहा कि देश में एलपीजी की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और 2 मई को लगभग 47.7 लाख एलपीजी सिलिंडरों की बुकिंग हुई और करीब 47 लाख सिलिंडर डिलीवर किए गए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि घरेलू एलपीजी, घरेलू पीएनजी और सीएनजी (परिवहन) के लिए 100 प्रतिशत आपूर्ति की जा रही है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की खरीदारी घबराहट में न करें, क्योंकि सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। साथ ही कहा कि अफवाहों से सावधान रहें और सही जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।

फाइल फोटो

349 एलपीजी वितरकों पर जुर्माना

मंत्रालय ने आगे बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने 3 अप्रैल, 2026 से अब तक 5 किलोग्राम के एफटीएल सिलिंडरों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 10,100 से ज्यादा शिविर आयोजित किए, इस समयावधि में 5 किलोग्राम के लगभग 1,75,000 एफटीएल सिलिंडर बेचे गए। साथ ही कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने अप्रैल, 2026 से 11,082 मीट्रिक टन ऑटो एलपीजी की बिक्री की है। सरकार ने आगे कहा कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर नियंत्रण लगाने के लिए देशभर में प्रवर्तन अभियान जारी हैं।

वैश्विक स्वास्थ्य व अनुसंधान सहयोग को मिलेगी नई दिशा

हरिद्वार। वैश्विक स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और विशेष रूप से समग्र स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पतंजलि अनुसंधान संस्थान और ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन कल नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग में संपन्न हुई वार्ता के ही आगे की कार्यवाई के अंतर्गत किया गया है। साझेदारी दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक साक्ष्य-आधारित सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक निर्णायक पहल है, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

भारत में चल रहा अहम प्रोजेक्ट पर काम

अब कुत्ते सूंघकर लगाएंगे पता कैंसर है या नहीं...?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कैंसर दुनिया की सबसे खतरनाक बीमारियों में से एक मानी जाती है। कोलोरेक्टल कैंसर जैसी कुछ बीमारियां अक्सर दूसरी या तीसरी स्टेज में जाकर पकड़ में आती हैं और इस स्टेज में डॉक्टरों के लिए मरीज की जान बचाना बहुत मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या हो अगर हम आपसे कहें कि आने वाले टाइम में कुत्तों की मदद से कैंसर की बीमारी का पता बहुत अर्ली स्टेज पर चल जाएगा। दरअसल, इजराइल, अमेरिका, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और ताइवान जैसे कई देशों में इस समय कुत्तों की मदद से कैंसर का पता लगाने को लेकर प्रयोग किया जा रहा है। अगर ये प्रयोग सफल साबित होते हैं, तो वो दिन दूर नहीं जब कुत्ते सूंघकर कैंसर का पता लगा सकेंगे।

श्रीलंका यात्रा के दौरान भारतीय नौसेना के जवान

श्रीलंका के साथ समुद्री सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से कोलंबो, श्रीलंका की यात्रा के दौरान पनडुब्बी आईएनएस सिंधुकेसरी पर सवार भारतीय नौसेना के जवान दिखाई दे रहे हैं।

शोधकर्ताओं ने खोज में की ग्रहों की पहचान

नासा के शक्तिशाली एआई टूल ने खोजे 100 से ज्यादा छिपे ग्रह, 31 नए ग्रहों की पुष्टि

एजेंसी ▶▶ वारविक

खगोलविदों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित नए शक्तिशाली टूल रेवन की मदद से नासा के ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट (टीईएसएस-टेस) मिशन के डाटा में 100 से अधिक एक्सोप्लैनेट यानी सौर मंडल के बाहर के ग्रहों की पुष्टि की है। इनमें 31 पूरी तरह नए ग्रह शामिल हैं। इसमें ऐसे दुर्लभ और चरम ग्रह भी मिले हैं, जो अपने तारों के बेहद करीब अत्यंत तेज गति से चक्कर लगाते हैं या फिर उस रहस्यमय क्षेत्र नेप्च्यूनियन डेजर्ट में मौजूद हैं, जहां ग्रहों का मिलना बेहद कम माना जाता है। नेप्च्यूनियन डेजर्ट अर्थात अंतरिक्ष का वह क्षेत्र जहां नेप्च्यून जैसे आकार के ग्रह (मध्यम आकार के गैस ग्रह) बहुत कम पाए जाते हैं, खासकर तब जब वे अपने तारे के बेहद करीब परिक्रमा करते हों।

झूठे संकेत भी पहचानता है रेवन

आधुनिक अंतरिक्ष मिशन हजारों संभावित ग्रहों के संकेत दर्ज करते हैं, लेकिन असली ग्रह और झूठे संकेतों में अंतर करना चुनौतीपूर्ण होता है। रेवन इसी समस्या को हल करता है। इसे लाखों सिमुलेटेड डाटा पर प्रशिक्षित किया गया है, ताकि यह पहचान सके कि चमक में कमी का कारण वास्तव में कोई ग्रह है या अन्य खगोलीय घटना।

खोज में बेहद खास प्रकार के ग्रह शामिल

शोधकर्ताओं ने उन ग्रहों पर विशेष ध्यान दिया जो, अपने तारों के बहुत करीब परिक्रमा करते हैं और 16 दिनों से कम समय में एक चक्कर पूरा कर लेते हैं। स्टडी की प्रमुख लेखिका डॉ. मरीना लाफार्गा मैग्रो के अनुसार, रेवन पाइपलाइन की मदद से 118 नए ग्रहों की पुष्टि की गई और 2,000 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले संभावित ग्रहों की पहचान हुई, जिनमें 1,000 नए हैं।

लिपुलेख के रास्ते मानसरोवर यात्रा पर जताया था विरोध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत सरकार की तरफ से कैलाश मानसरोवर यात्रा का ऐलान किए जाने पर नेपाल की बालेन सरकार ने जहां कड़ा विरोध जताया है वहीं, अब भारत सरकार ने भी करारा जवाब दे दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ-साफ कहा है कि यह कोई नई बात नहीं है। लिपुलेख दर्रा 1954 से कैलाश मानसरोवर यात्रा का एक प्रमुख मार्ग रहा है और इस मार्ग से यात्रा दशकों से जारी है। इस संबंध में भारत का रुख हमेशा से स्पष्ट और सुसंगत रहा है।

केन्या की कंपनी से तोड़ा करार, विवादों में मेटा

लिविंग रूम से लेकर बेडरूम तक... स्मार्ट ग्लास यूजर्स की निजी रिकॉर्डिंग को लेकर घिरी मेटा

टेक दिग्गज मेटा ने आउटसोर्सिंग पार्टनर कंपनी समा के साथ कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया है। मेटा ने स्मार्ट ग्लासेस से यूजर्स के निजी वीडियो को एआई ट्रेनिंग के लिए रिकॉर्ड किए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टेक दिग्गज मेटा ने केन्या में काम करने वाली अपनी आउटसोर्सिंग पार्टनर कंपनी समा के साथ कान्ट्रैक्ट तोड़ दिया है। जिसके बाद एआई को ट्रेन करने वाली कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट रद करने के बाद फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा विवादों में घिर गई है। इस बड़े फैसले के कारण करीब 1,108 कर्मचारियों की नौकरी जाने का खतरा मंडरा रहा है। यह पूरा विवाद तब बाहर आया जब समा के कुछ

कर्मचारियों ने काम के दौरान मेटा के स्मार्ट ग्लासेस से रिकॉर्ड किए गए यूजर्स के बेहद निजी और आपत्तिजनक वीडियो देखने के लिए मजबूर किया गया था।

सच बोलने की मिली सजा: कर्मचारी यूनियन का आरोप

केन्या के ट्रेड यूनियनों ने इस छंटनी के पीछे की मंशा पर सवाल उठाए हैं। अफ्रीका टेक वर्कर्स मूवमेंट के नफ्ताली वाम्बालो का दावा है कि मेटा ने कॉन्ट्रैक्ट इसलिए रद किया क्योंकि वह इस बात को छिपाना चाहती थी कि स्मार्ट ग्लासेस की रिकॉर्डिंग तक इंसानों की भी पहुंच है। उनका मानना है कि मेटा जिन मानकों के उल्लंघन की बात कर रही है, वे असल में गोपनीयता के मानक हैं, जिन्हें कर्मचारियों ने मीडिया के सामने उजागर कर दिया था।

मेटा और समा में तकरार

मेटा का कहना है कि उन्होंने यह कॉन्ट्रैक्ट इसलिए रद किया क्योंकि समा उनके तय मानकों पर खरी नहीं उतर पाई। मेटा ने कहा कि एआई प्रोडक्ट के प्रदर्शन को सुधारने के लिए इंसानों द्वारा कंटेंट की समीक्षा की जाती है, और इसके लिए यूजर्स से स्पष्ट रूप से सहमति ली जाती है। आरोपों के बाद मेटा ने समा के साथ काम रोक दिया था। समा का कहना है कि उसने हमेशा अपने क्लाइंट्स के साथ सुरक्षा, गुणवत्ता और संचालन के मानकों का कड़ाई से पालन किया है और मेटा ने उन्हें कभी किसी कमी के बारे में सूचित नहीं किया था।

मेटा पर 3,100 करोड़ रुपये का जुर्माना

अमेरिका के न्यू मैक्सिको में एक अदालत ने मेटा पर 375 मिलियन डॉलर (करीब 3,100 करोड़ रुपये से अधिक) का भारी जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही बरतने, यौन शोषण सामग्री छिपाने और भ्रामक जानकारी देने के लिए लगाया गया है। अदालत ने पाया कि कंपनी ने मुनाफे के लिए बच्चों की मानसिक सेहत को जोखिम में डाला।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28